हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 328, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 17 मई, 2022 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

ज्ञानवापी मस्जिद में मिला शिवलिंग, वाराणसी कोर्ट ने जगह को सील करने का दिया आदेश

काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में मौजूद नंदी का मुख सदियों से है विद्यमान

प्रखर वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे के दौरान सोमवार को साक्ष्य के तौर पर शिवलिंग मिलने के बाद वादी पक्ष के अधिवक्ताओं की ओर से अदालत में इस बाबत एक प्रार्थना पत्र दिया था, जिसपर शिवलिंग की सुरक्षा को लेकर अदालत ने आदेश जारी किया है। माना जा रहा है कि आदि विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग का असली स्थान ज्ञानवापी ही था। जिसकी ओर काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में मौजूद नंदी का मुख सदियों से विद्यमान है। हिंदू मान्यता के अनुसार नंदी का मुख सदैव शिवलिंग की ओर ही होता है। ऐसे में नंदी की मूर्ति का मुख ज्ञानवापी मस्जिद की ओर होने की वजह से ही हिंदू पक्ष की ओर से मस्जिद के सर्वे की मांग लंबे समय से उठ रही थी। इस बाबत अधिवक्ता हरिशंकर जैन की ओर से प्रस्तुत कार्रवाई की रिपोर्ट को प्रार्थना पत्र के साथ सोमवार को प्रस्तुत किया गया। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि दिनांक 16 मई को शिवलिंग मस्जिद कांप्लेक्स के अंदर एडवोकेट कमिश्नर की कमीशन कार्यवाही के दौराना पाया गया है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण साक्ष्य है इसलिए सीआरपीएफ कमांडेंट को आदेशित किया जाए कि वह इसे सील कर दें। जिलाधिकारी वाराणसी को आदेशित किया जाए कि वहां मुसलमानों का प्रवेश वर्जित कर दें। मात्र 20 मुसलमानों को नमाज अदा करने की इजाजत दी जाए और उन्हें वजू करने से भी तत्काल रोक दिया जाए। पत्र में कहा गया है - मेरे द्वारा संपूर्ण पत्रावली का परिसीमन किया गया है। वादी गण द्वारा प्रस्तुत कर कहा गया कि आज दिनांक 16 मई को शिवलिंग मस्जिद कांप्लेक्स के अंदर दौरान कमीशन द्वारा पाया

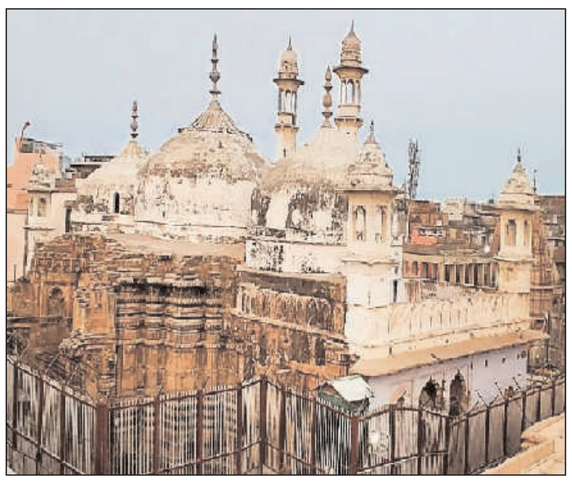

गया यह बहुत ही महत्वपूर्ण साक्ष्य है। इसलिए सीआरपीएफ कमांडेंट को आदेशित किया जाए कि वह इसे सील कर दे। शिवलिंग को उसे संरक्षित किया जाना अति आवश्यक है, न्याय हित में प्रार्थना पत्र स्वीकार किए जाने योग्य है। इस पत्र के प्राप्त होने के बाद अदालत ने दोपहर 12 बजे इस बाबत अदालत की ओर से आदेश जारी कर दिया। अदालत ने आदेश दिया है, 'जिला मजिस्ट्रेट वाराणसी को आदेशित किया जाता है कि जिस स्थान पर शिवलिंग प्राप्त हुआ है उस स्थान को तत्काल प्रभाव से सील कर दें। सील किए गए स्थान पर किसी भी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित किया जाता है। जिला मजिस्ट्रेट वाराणसी पुलिस कमिश्नर पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी तथा सीआरपीएफ कमांडेंट वाराणसी को आदेशित किया जाता है कि इस स्थान को सील किया जाए। उस स्थान को संरक्षित व सुरक्षित रखने की पूर्णता व्यक्तिगत जिम्मेदारी उपरोक्त समस्त अधिकारियों की व्यक्तिगत रूप से मानी जाएगी। उपरोक्त आदेश के तहत सील की कार्यवाही के बाबत निरीक्षण प्रशासन द्वारा क्या-क्या किया गया है, इसके सुपर विजन की जिम्मेदारी पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ की होगी। वाद लिपिक को आदेशित किया जाता है कि अविलंब इसकी आदेश की प्रति संबंधित अधिकारीगण को नियमानुसार प्रेषित कर सुनिश्चित करें। यह आदेश रवि कुमार दिवाकर सिविल जज सीनियर डिवीजन वाराणसी की ओर से जारी किया गया है।' वहीं, ज्ञानवापी मामले में नया आदेश आने के बाद से ही इस प्रकरण पर प्रतिक्रिया का दौर शुरू हो गया है।

ज्ञानवापी मस्जिद क्षेत्र में शिवलिंग : एडवोकेट कमिश्नर की कार्यवाही के दौरान जांच में शामिल सूत्र ने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में मौजूद नंदी के मुख के ठीक सामने ही ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वे के दौरान तालाब को लेकर जांच की गई तो 12X12 वाले जल से भरे स्थान को लेकर रविवार को टीम द्वारा मंथन किया गया था। जहां पर जमा पानी को निकालने के बाद सिल्ट को सोमवार को हटाया गया तो वहां शिवलिंग का अरघा प्राप्त हुआ। शिवलिंग सहित अरघा काफी बड़ा और आकर्षक था। शिवलिंग श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित नंदी के ठीक सामने वाले ज्ञानवापी मस्जिद के हिस्से में मौजूद बताया गया है। इस मामले में हिंदू पक्ष के अधिवक्ता ने जानकारी दी कि करीब चार फीट लंबा-चौड़ा शिवलिंग मिलने के बाद ही अदालत का सुबह ही रुख करते हुए उस स्थान को सुरक्षित करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया, जिस पर अदालत ने फैसला देते हुए संबंधित क्षेत्र को सील कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा ज्ञानवापी मस्जिद सर्वे का मामला, मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई कल

नई दिल्ली। बनारस में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सर्वे के खिलाफ मस्जिद कमेटी ने याचिका दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट कल 1 बजे इसपर सुनवाई करेगा। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ इस मामले को देखेगी। बता दें कि मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के सर्वे पर रोक से इनकार के बाद ये याचिका दाखिल की है।

शीर्ष न्यायालय ने तत्काल रोक से किया था इनकार- बता दें कि 13 मई को शीर्ष अदालत ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण को तुरंत रोकने से इनकार कर दिया था और मामले को सूचीबद्ध करने के लिए सहमत हो गया था। याचिका में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 21 अप्रैल के आदेश की वैधता को चुनौती दी गई थी, जिसने सर्वेक्षण के लिए दीवानी अदालत के आदेश के खिलाफ याचिका खारिज कर दी थी। शीर्ष न्यायालय ने कहा था कि वह इसपर सारे दस्तावेज देखने के बाद ही कोई फैसला ले सकता है।

वाराणसी अदालत ने सर्वे का दिया था आदेश- वाराणसी की एक अदालत ने पिछले महीने पांच हिंदू महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से दायर एक मुकदमे पर अधिवक्ता आयुक्त अजय कुमार मिश्रा के माध्यम से परिसर का निरीक्षण करने का आदेश दिया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दीवानी न्यायालय के आदेश की पुष्टि की। बता दें कि इसके बाद 12 मई को वाराणसी अदालत ने तहखाने और बंद कमरों सहित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियो सर्वेक्षण को फिर से शुरू करने का आदेश दिया था।

आज शिवलिंग मिला, कोर्ट ने जगह सील करने को कहा- ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे के तीसरे दिन आज सोमवार को साक्ष्य के तौर पर शिवलिंग मिलने की बात सामने आई है। सर्वे के बाद हिंदू पक्ष के पैरोकार डॉ. सोहनलाल ने बाहर आकर कहा कि अंदर बाबा मिल गए हैं। इस जानकारी के बाद कोर्ट ने जगह सील करने को कहा है।

विश्व हिन्दू परिषद का आया बयान- वाराणसी के ज्ञानवापी में सर्वे के दौरान एक कमरे में शिवलिंग मिलने के बाद विश्व हिन्दू परिषद का बयान सामने आया है। विश्व हिन्दू परिषद के आलोक कुमार ने कहा कि ये बहुत आनंद का समाचार है। दोनों पक्षों और उनके वकीलों की उपस्थिति में उसे प्राप्त किया गया है। इसलिए वो स्थान जहां शिवलिंग है, वो मंदिर है, अब भी है और 1947 में भी था।

केशव प्रसाद मौर्य बोले- मैं बहुत खुश हूं- ज्ञानवापी परिसर के सर्वे के दौरान शिवलिंग प्राप्त होने की खबर पर यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि शिव भक्त के नाते मैं बहुत खुश हूं। सदियों से जो नंदी बाबा की प्रतीक्षा थी कि कब भोलेनाथ मिलें और कब मैं उनके दर्शन करूं, वो सर्वे में शिवलिंग मिलने से खत्म हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने माया देवी मंदिर में की पूजा, भारतीय मठ का किया शिलान्यास

लुंबिनी (नेपाल)। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर नेपाल पहुंचे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लुंबिनी के माया देवी मंदिर में पूजा अर्चना की। बुद्ध की जन्मस्थली पहुंचने पर नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर

देउबा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। औपचारिक मुलाकात के बाद दोनों माया देवी मंदिर पहुंचे। यहां लुंबिनी विकास कोष के उपाध्यक्ष भिक्षु मित्तेय ने पीएम सहित उनके साथ आए 11 सदस्यी प्रतिनिधिमंडल को पूजा-अर्चना कराई। पीएम मोदी ने अशोक स्तभ के पास दो दीप जलाए। इसके बाद पीएम मोदी अपने नेपाली समकक्ष के साथ भारतीय मठ का शिलान्यास कर रहे हैं। रक्षा मंत्री व पीएम देउबा की पत्नी डा. आरजू राणा देउबा, गृह मंत्री बालकृष्ण , विदेश मंत्री डा. नारायण खड़का, भौतिक संरचना और परिवहन मंत्री रेणुकुमारी यादव, संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री प्रेम बहादुर, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री देवेंद्र पौडेल ने सभा का स्वागत किया। लुंबिनी के मुख्यमंत्री कुल प्रसाद केसी, नेपाल सरकार के मुख्य सचिव शनारदास बैरागी, विदेश सचिव भरतराज पौडेल, भारत में नेपाल के राजदूत डा. शंकर शर्मा, काठमांडू में भारतीय दूतावास के कार्यवाहक राजदूत नम्या खंपाल ने भी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। हेलीकाप्टर से उतरने के बाद उन्होंने हाथ मिला कर उपस्थित लोगों का अभिवादन किया।

पांच घंटे नेपाल में रहेंगे मोदी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लुंबिनी में भारतीय मठ के शिलान्यास के बाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में पांच हजार लोगों को संबोधित करेंगे। नेपाली समकक्ष शेर बहादुर देउबा और शिष्टमंडल के साथ स्थानीय होटल में उनकी वार्ता होगी। मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए यहां के सभी मंदिरों को एसपीजी व नेपाल सशस्त्र पुलिस बल ने कब्जे में ले लिया है। मंदिर परिसर में सभी के आने-जाने पर रोक लगा दी गई है।

ज्ञानवापी मस्जिद परिसर से लौटे सोहनलाल आर्य बोले - 'नंदी जिसका इंतजार कर रहे थे वह बाबा मिल गए'

प्रखर वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सुबह दस बजे तक कुल दो घंटे एडवोकेट कमिश्नर की कार्यवाही की गई। इसी के साथ तीन दिन तक ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे का कार्य पूरा हो गया। इस दौरान सर्वे में शामिल सभी सदस्य ज्ञानवापी परिसर से सर्वे के बाद वापस लौट गए। इस दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान वादी पक्ष के सोहनलाल आर्य ने बताया, 'नंदी जिसका इंतजार कर रहे थे वह बाबा मिल गए'। इतिहास कालखंड में जो भी लिखा था वह मिल गया है। इस दौरान उन्होंने हाथों से शिवलिंग मिलने का इशारा किया तो लोग चौंक गए। इसके बाद शिवलिंग मिलने की चचार्ने जोर पकड़ा। वहीं उन्होंने कहा कि - जिसकी जनता को प्रतीक्षा थी आखिरकार वह बाबा अब मिल गए हैं। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने कहीं कुछ भी मिलने के दावों से इनकार किया। मगर अदालत में थोड़ी देर बाद ही शिवलिंग मिलने वाली जगह को सील करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया जिसपर अदालत ने आदेश भी दोपहर 12 बजे के बाद जारी कर दिया। वहीं

आदेश जारी होते ही संबंधित क्षेत्र को तुरंत ही सील करते हुए लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। सोहनलाल आर्य ने कबीर दास के दोहे का उदाहरण दिया, 'जिन खोजा तिन पाइयां, गहरे पानी पैठ'। इस बात पर उनसे इसका अर्थ बताने को कहा गया तो उन्होंने स्पष्ट जवाब दिया कि नंदी जिसका इंतजार कर रहे थे वह बाबा मिल गए हैं। बताते चलें कि पहले दिन की कार्यवाही के बाद ही सोहनलाल आर्य ने विक्ट्री साइन बनाकर हिंदू मंदिर होने के साक्ष्यों को लेकर आशा जताई थी। अब आखिरी दिन सोमवार को हुई कार्यवाही के बाद उन्होंने नंदी का मुंह ज्ञानवापी मस्जिद की ओर होने की वजहों को लेकर बाबा विश्वनाथ के मिल जाने की जानकारी दी।

ज्ञानवापी में शिवलिंग मिलने का दावा : केशव प्रसाद बोले- सत्य ही शिव, ओवैसी ने कहा- कयामत तक मस्जिद ही रहेगी

प्रखर वाराणसी। वाराणसी में सोमवार को तीसरे दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वे-वीडियोग्राफी कार्य संपन्न हो गया। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता ने दावा किया कि ज्ञानवापी परिसर में शिवलिंग मिला है। अदालत तक मामला पहुंचा। आवेदन पर कोर्ट ने उक्त स्थान के सील करने का आदेश जिला प्रशासन को दिया। इधर, इस मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर ज्ञानवापी में बाबा महादेव के प्रकटीकरण ने देश की सनातन हिंदू परंपरा को एक पौराणिक संदेश दिया है। आगे लिखा कि सत्य को आप कितना भी छुपा लीजिए, लेकिन एक दिन सामने आ ही जाता है क्योंकि सत्य ही शिव है। मीडिया से बात करते हुए कहा कि ज्ञानवापी में शिवलिंग मिलने की सूचना से शिवभक्त होने के नाते मैं बहुत खुश हूं। देश का हर शिवभक्त खुश है। सदियों से नंदीजी प्रतीक्षारत थे कि मेरे भोले बाबा कम मुझे मिलेंगे और अब मिल गए हैं। माननीय न्यायालय के आदेश से कमिश्नर वहां गए। सर्वे किया गया और वहां शिवलिंग मिलने की बात सामने आई। उन्होंने कहा कि यह खुशी का अवसर है और आगे कोर्ट जो भी आदेश देगा वह उसका स्वागत करेंगे। वहीं एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार करते हुए कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद थी, और कयामत तक रहेगी इंशाअल्लाह।

'भाजपा को भगवान मस्जिद में ही मिलता है'- इधर, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इसे ध्यान भटकाने की राजनीति बताया। कहा कि हो सकता है कि इनको भगवान मस्जिद में ही मिलता है। सवाल करते हुए आगे पूछा कि ज्ञानव्यापी मस्जिद के पीछे पड़े हैं, क्या इसके बाद सब बंद हो जाएगा? उन्होंने कहा कि यहां माहौल बदलने की जरूरत है। भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने ट्वीट कर कहा कि आज के दिन स्वर्ग में बैठे सीताराम गोयल और रामस्वरूप जी मुस्कुरा रहे होंगे।

दलाई लामा की अपील- मानसिक शांति के लिए गौतम बुद्ध के उपदेशों को करें आत्मसात

नई दिल्ली। बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने सोमवार को अपील की कि सच्ची मानसिक शांति के लिए लोग गौतम बुद्ध के कहे गए वचनों पर ध्यान दें। वैशाख बुद्ध पूर्णिमा दिवस के मौके पर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध कंफेडरेशन द्वारा आयोजित समारोह में 14वें दलाई लामा ने वीडियो संदेश दिया। उन्होंने कहा, 'आज हम वेसाक मना रहे हैं, इसी दिन छह साल की तपस्या के बाद बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। उन्होंने सलाह दिया था कि जैसे सोने को काटकर, रगड़कर और तपाकर जांचा जाता है उसी तरह मेरे उपदेशों को भी आप पूरी तरह से जांचने के बाद ही स्वीकार करना न कि मेरे लिए आदर भाव होने के कारण।' उन्होंने आगे कहा, ' यह विचार बुद्ध के विशेष गुण का खुलासा करता है। मैं सभी धार्मिक परंपराओं का आदर करता हूं। ये सभी अत्यधिक वैल्यू वाले हैं क्योंकि इससे दया और क्षमा की सीख मिलती है। केवल बुद्ध ही हैं जिन्होंने ही अपने दिए गए सीखों व उपदेशों की जांच बिल्कुल उस तरह करने की बात कही है जैसे सुनार अपने सोने की करता है।' बौद्ध शिक्षाएं मनुष्यों में करुणा, शांति और स्थिरता, आनंद

पैदा करती हैं और वे मनुष्य और प्रकृति के बीच एक स्थायी संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकती हैं। बुद्ध की शिक्षाएं समाज को उनके बेहतर और अधिक मानवीय रूपों में बदल सकती हैं जैसा कि तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने दशार्या है 20वीं सदी युद्ध और हिंसा की सदी थी, अब हम सभी को यह देखने के लिए काम करने और वार्ता की जरूरत है कि 21वीं सदी शांति की है।

गोरखपुर में पुलिस अफसरों पर भड़के सीएम योगी, बोले- थानों पर बिल्कुल काम नहीं हो रहा

गोरखपुर। क्या थानों पर बिल्कुल काम नहीं हो रहा? थाना दिवस और तहसील दिवस में अफसर करते क्या हैं? हत्या के मामलों में भी गिरफ्तारी नहीं हो रही, इसका मतलब पुलिस बिल्कुल काम नहीं रही। यह तो उदसीनता और अकर्मण्यता की स्थिति है। इसे हरगिज बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हर हाल में यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को अपनी समस्या के निस्तारण के लिए बार-बार न दौड़ना पड़े। सीएम का कड़ा रूख देखकर अधिकारी पसीना-पसीना हो गए।

एक हजार लोगों की समस्याएं सुनीं- नाराजगी के साथ सवाल, जवाब और निर्देश मिश्रित यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तब कहीं, जब उन्हें जनता दर्शन में एक हजार की संख्या में अपने समस्या कहने के लिए लोग पहुंचे दिखे। मुख्यमंत्री ने समस्या लेकर आए किसी भी व्यक्ति को निराश नहीं किया। पहले गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम में लोगों की समस्या सुनी और फिर पास के यात्री निवास में मौजूद लोगों के पास खुद ही चले गए। यही नहीं जनता दर्शन के बाद मंदिर कार्यालय के पास खड़े 100 से अधिक लोगों से उन्होंने पूरी सहृदयता से मुलाकात की। सभी को समस्या के जल्द निस्तारण के लिए आश्वस्त किया। जनता दर्शन के लिए मुख्यमंत्री ने करीब तीन घंटे का समय दिया।

गायों के साथ भी बिताया समय- दो दिन के दौरे पर गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री की सुबह

गोरखनाथ मंदिर में दिनचर्या परंपरागत रही। आवास से निकलने के बाद उन्होंने सबसे पहले बाबा गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई और फिर बारी-बारी से महंत दिग्विजयनाथ व महंत अवेद्यनाथ के समाधिस्थल पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री गोशाला में पहुंचे और करीब आधे घंटे गायों के बीच रहे। इसी क्रम में वह जनता दर्शन के लिए हिंदू सेवाश्रम पहुंचे।

एक-एक फरियादी से मिले- समस्या के समाधान के आए व्यक्तियों के पास बारी-बारी से वह खुद गए और उनका आवेदन पत्र अपने हाथों से लेकर निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारी को सौंपा। यह सिलसिला यात्री निवास में बैठे लोगों की समस्या सुनने के बाद थमा। जनता दर्शन में ज्यादा मामले पुलिस और राजस्व विभाग के थे। समस्याओं के साथ आने वालों में ज्यादातर महिलाएं थीं। इस दौरान कमिश्नर रवि कुमार एनजी, जिलाधिकारी विजय किरन आनंद, डीआइजी जे रवींद्र गौड़े, एसएसपी विपिन ताडा, एसपी मंदिर सुरक्षा लाल भरत कुमार पाल, अजय सिंह आदि मौजूद रहे। जनता दर्शन के दौरान अपनी समस्या लेकर आई एक महिला की गोद में पांच माह की बच्ची को देखकर मुख्यमंत्री का बाल प्रेम उमड़ आया। पूछने पर पता चला कि बच्ची का नाम आरोही है। मुख्यमंत्री ने उसके सिर पर हाथ फेर कर आशीर्वाद और प्यार-दुलार दिया। उसी दौरान मुख्यमंत्री ने समस्या लेकर आए अन्य लोगों के बच्चों को चाकलेट मंगाकर दिया।

केजरीवाल का आरोप : दिल्ली के 63 लाख मकानों-दुकानों पर चल सकता है बुलडोजर, आजाद भारत का सबसे बड़ा विध्वंस होगा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा शासित नगर निगम पर बड़ा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि, जिस तरह से भाजपा दिल्ली में लोगों के घर और दुकानें तोड़ रही है, वो सही नहीं है। 63 लाख लोगों की दुकानों या मकानों पर बुलडोजर चल सकता है। ये आजाद भारत का सबसे बड़ा विध्वंस होगा। प्रेसवार्ता के दौरान केजरीवाल ने कहा कि बीते कुछ दिनों से हम देख रहे हैं कि दिल्ली में भाजपा शासित नगर निगम का बुलडोजर चल रहा है। उनका कहना है कि हम आने वाले कुछ महीनों तक यह अभियान चलाएंगे और दिल्ली से अतिक्रमण हटाएंगे।

केजरीवाल बोले, हम खुद भी अतिक्रण के खिलाफ हैं। हम नहीं चाहते कि दिल्ली खराब दिखे। दिल्ली में अतिक्रमण को लेकर दो बातें हैं, उसमें से एक है कि दिल्ली पिछले 75 सालों में जैसा बसा है वह प्लान्ड तरीके से नहीं बसा। दिल्ली जिस तरह से बनी उसमें 80 प्रतिशत से ज्यादा दिल्ली एन्क्रोच्ड (अतिक्रमण कर बनी) कही जा सकती है। तो प्रश्न उठता है कि क्या 80 प्रतिशत दिल्ली को तोड़ा जाएगा। दूसरा प्रश्न ये है कि जिस तरीके से अतिक्रमण को हटाया जा रहा है, न कोई कागज है न किसी को मौका दिया जा रहा है। कहीं भी बुलडोजर ले जाकर मकान व दुकान तोड़ने लगते हैं। लोग अपने कागज लेकर गुहार लगाते रह जाते हैं लेकिन ये किसी की नहीं सुनते। कोई कागज नहीं देखे जा रहे बस बुलडोजर चलाया जा रहा है, ये तो गलत है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि इनकी प्लानिंग है कि सभी कच्ची कॉलोनियों को तोड़ा जाएगा। दिल्ली की कच्ची कॉलोनियों में लगभग 50 लाख लोग रहते हैं। झुग्गियां तोड़ना भी इनका प्लान है जहां लगभग 10 लाख की आबादी रहती है। इसके अलावा ये तीन लाख प्रॉपर्टी की ऐसी लिस्ट बनाई है जिसमें नक्शे से हटकर किसी ने बालकनी बना ली या कोई मामूली निर्माण कर लिया।

संपादकीय

रानिल की ताजपोशी

श्रीलंका में हिंसक प्रदर्शन के बाद अब हालात बेहतर होते दिखाई दे रहे हैं। रानिल विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। महिंदा राजपक्षे द्वारा पीएम पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद रानिल विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए पीएम बनाए गए हैं। रानिल विक्रमसिंघे 1994 से यूनाइटेड नेशनल पार्टी के प्रमुख रहे हैं। वह अब तक 5 बार श्रीलंका के पीएम रहे चुके हैं। महिंदा के 2020 में पीएम बनने से पहले भी रानिल ही श्रीलंका के पीएम थे। 73 साल के रानिल ने वकालत की पढ़ाई की हुई है। 70 के दशक में रानिल ने राजनीति में कदम रखा और पहली बार 1977 में सांसद चुने गए थे। 1993 में पहली बार पीएम बनने से पहले रानिल उप विदेश मंत्री, युवा और रोजगार मंत्री सहित कई और मंत्रालय संभाल चुके हैं। बता दें कि नए पीएम को नियुक्त करने से पहले गोटबाया राजपक्षे से साफ कहा था कि मैं युवा मंत्रिमंडल नियुक्त करूंगा जिसमें राजपक्षे परिवार का एक भी सदस्य नहीं होगा। अलग पार्टी में रहते हुए भी रानिल विक्रमसिंघे को श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और महिंदा राजपक्षे का करीबी बताया जाता है। यही कारण है कि उन्हें पीएम बनाया जा रहा है। पूर्व पीएम महिंदा राजपक्षे के साथ ही उनके सहयोगियों और अन्य मंत्रियों को श्रीलंका की अदालत ने देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। रानिल विक्रमसिंघे चीन समर्थक महिंदा राजपक्षे की अपेक्षा भारत के ज्यादा करीब रहे हैं। रानिल के पीएम बनने से उम्मीद है कि भारत के साथ रिश्ते और ज्यादा मधुर होंगे। महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद पूरे देश में जमकर हिंसा हुई थी और प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री के पैतृक घर को जला दिया था। यही नहीं महिंदा के आधिकारिक आवास को भी जलाने का प्रयास किया गया था। इस बीच श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनका परिवार तब तक त्रिंकोमाली नौसैनिक अड्डे पर रहेगा, जब तक कि व्यापक हिंसा के बाद द्वीप राष्ट्र में वापस सामान्य स्थिति नहीं हो जाती। व्यापक हिंसा के बाद मजबूरन कोलंबो से भागने के बाद श्रीलंकाई रक्षा मंत्रालय के सचिव कमल गुणरत्ने ने कहा कि जब देश में स्थिति सामान्य हो जाएगी, तब राजपक्षे को उनके इच्छित स्थान पर ले जाया जाएगा। रक्षा सचिव ने कहा कि चाहे इसमें कितना भी समय लगे, सेना राजपक्षे को तब तक सुरक्षा मुहैया कराएगी, क्योंकि एक पूर्व प्रधानमंत्री के तौर पर वह जीवन भर सुरक्षा के हकदार हैं। 9 मई को महिंदा के इस्तीफे के बाद से देश में हिंसा भड़क गई थी। सोमवार को सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के साथ सरकार समर्थक समूहों की झड़प के बाद देश में कई हिंसक घटनाएं हुई हैं, जिसमें एक सांसद सहित आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। देशव्यापी कर्फ्यू को गुरुवार सुबह तक बढ़ा दिया गया है। 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से सबसे गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा यह द्वीप राष्ट्र वर्तमान में बिना सरकार के ही है। डॉलर की किल्लत और महंगाई की वजह से गंभीर वित्तीय संकट के बीच राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर 31 मार्च से शुरू हुआ विरोध पूरे देश में जारी है। विरोध के मद्देनजर कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया लेकिन महिंदा राजपक्षे ने उनके नेतृत्व में एक नई कैबिनेट का गठन किया। ईंधन और गैस की कमी और घंटों बिजली कटौती के साथ, लोग सड़कों पर उतर आए और सरकार से तत्काल इस्तीफे की मांग की। इस बीच, राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने विपक्ष से सर्वदलीय सरकार बनाने का आग्रह किया है, लेकिन इसने राजपक्षे के पद छोड़ने तक ऐसा करने से इनकार कर दिया है। सरकार के स्वामित्व वाली सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने बुधवार को घोषणा की कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति के कारण ईंधन वितरण को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे। वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया। किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

राज ठाकरे : अवसरवादी व विकृत राजनीति का एक और चेहरा

यदि हम पीछे मुड़कर राज ठाकरे के राजनैतिक महत्वाकांक्षा भरे जीवन पर एक नजर डालेंगे तो यही पायेंगे कि बाल ठाकरे की विरासत के रूप में शिव सेना की कमान न मिल पाने के विरोध में ही 9 मार्च 2006 को कथित रूप से हिंदुत्व तथा भूमिपुत्र के सिद्धान्तों पर आधारित महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) महाराष्ट्र के एक क्षेत्रीय राजनैतिक दल के रूप में वजूद में आई। यह भी कहा जाता है कि उद्धव ठाकरे के साथ मतभेद तथा राज्य में चुनाव में टिकट वितरण जैसे अहम फैसलों में राज ठाकरे की अवहेलना के चलते भी मनसे गठित की गयी। परन्तु हकीकत तो यह है कि यदि बाल ठाकरे अपनी राजनैतिक विरासत अपने पुत्र उद्धव ठाकरे को सौंपने के बजाये भतीजे राज ठाकरे को सौंप देते तो यकीनन मनसे वजूद में ही न आती। बहरहाल मनसे ने राज ठाकरे के नेतृत्व में बाल ठाकरे तर्ज की आक्रामक राजनीति करनी शुरू की। शिवसेना को कमजोर करने की कोशिश करते हुए बी एम सी,पुणे नगर निगम,ठाणे तथा नासिक नगर निगम जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर अपने प्रतिनिधि निर्वाचित कराये। इतना ही नहीं बल्कि 2009 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मनसे ने 13 विधानसभा सीटें भी जीतीं । इसके अलावा 24 से अधिक स्थानों पर मनसे दूसरे स्थान पर भी रही।

परन्तु अब सीटें जीतने के लिहाज से धीरे धीरे मनसे का राजनैतिक जनाधार लगभग समाप्त सा हो गया है। इसका मुख्य कारण यह है कि जो मनसे हिंदुत्व का ध्वजवाहक बनना चाहती थी उसी ने 2008 में उत्तर भारतीयों विशेषकर उत्तर प्रदेश,झारखण्ड,मध्य प्रदेश और बिहारी प्रवासियों के विरुद्ध खुले आम हिंसा शुरू कर दी। मनसे कार्यकताओं ने महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में उत्तर भारतीय दुकानदारों और विक्रेताओं पर हमला किया। कई जगह सरकारी सम्पत्ति नष्ट कर दी। छठ जैसे उत्तर भारतीयों के प्रमुख त्यौहार का विरोध किया जाने लगा। इस घटना पर लोकसभा में भी काफी हंगामा हुआ था। इसी तरह 9 नवम्बर 2009 को समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को मनसे विधायकों द्वारा उन्हें हिंदी में शपथ लेने से रोका गया। और उनसे सदन में मार पीट की गयी। महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष ने इस घटना में शामिल मनसे के चार विधायकों को चार वर्ष के लिए निलम्बित कर दिया गया था । मुम्बई और नागपुर में विधान सभा बैठक के दौरान उनके प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई थी । अभी पिछले दिनों पूर्व महाराष्ट्र में मनसे द्वारा खड़े किये गये अजान-लाउडस्पीकर-हनुमान चालीसा विवाद के मध्य मनसे प्रमुख राज ठाकरे को कथित तौर पर कोई धमकी भरा पत्र मिला। इस पत्र के मिलने के बाद एक मनसे नेता ने कहा कि राज ठाकरे को एक धमकी भरा उर्दू में लिखा गया पत्र मिला है, उनकी जान को खतरा है। इस नेता ने चेतावनी दी है कि अगर ठाकरे को कुछ हुआ तो 'वे महाराष्ट्र को जला देंगे'। स्वयं राज ठाकरे की राजनीति का अंदाज प्रायः आक्रामक व तल्खी भरा ही रहता है। वे कई बार अपने साक्षात्कार के दौरान आपे से बाहर और वरिष्ठ पत्रकारों के प्रति अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं।

अब जबसे शिवसेना ने भाजपा से अपना पुराना नाता तोड़ कांग्रेस व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से मिलकर सरकार गठित की है तब ही से राज ठाकरे भाजपा के साथ अपने राजनैतिक संबंध बनाने की जुगत में लगे थे। या यूँ कहें कि भाजपा व मनसे दोनों को ही एक दूसरे से संबंध बनाने की मजबूरी दरपेश थी। परन्तु इसके लिये राज ठाकरे को अपने मराठी नहीं बल्कि हिंदुत्ववादी तेवरों में धार रखनी जरूरी थी।

जो उन्होंने मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने,अजान के वक़्त लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा पढ़ने जैसा विवाद खड़ा कर, करने की पूरी कोशिश भी की। साथ ही राज ठाकरे ने अपने नये 'हिंदुत्ववादी अवतार' को क्षेत्रीय की जगह राष्ट्रीय 'कवच ' पहनाने के लिये 5 जून को अयोध्या में राम लला के दर्शन का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया।खबरों के मुताबिक मनसे ने 11 ट्रेन रैक बुक कराने की योजना बनाई है ताकि अयोध्या में मनसे के कार्यकर्ता अपने नेता का स्वागत कर सकें। परन्तु उत्तर भारतीयों द्वारा राज ठाकरे का पुराना रिकार्ड अब खोल दिया गया है। बहराइच,अयोध्या से लेकर इलाहबाद और पूर्वांचल के कई जिलों में उन्हीं उत्तर भारतीयों ने राज ठाकरे का विरोध करने के लिये कमर कस ली है जिन्हें 2008 में राज ठाकरे के निदेशों पर मनसे कार्यकताओं द्वारा इतना प्रताड़ित किया गया था कि लाखों लोग रास्तों में और ट्रेनों,बसों व टैक्सियों में मार खाते, लुटते, पिटते अपने घरों को लौटने के लिये मजबूर हो गए थे। राज ठाकरे के विरोध में सत्ताधारी दल भाजपा के कैसर गंज के सांसद बृजभूषण शरण सिंह जोकि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष भी हैं, ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा है कि ठाकरे को अयोध्या आने देना तो दूर उन्हें उत्तर प्रदेश की सीमा में भी घुसने नहीं दिया जायेगा। और भी कई राजनेता व धर्मगुरु भी राज ठाकरे की अयोध्या यात्रा का विरोध कर रहे हैं। उनके अयोध्या आगमन से पहले ही अनेक राजनैतिक संगठन और संस्?थायें विरोध में उतर आई हैं। अयोध्या के कई प्रमुख साधु संत व धर्मगुरु भी राज ठाकरे के प्रस्तावित अयोध्या दौरे का विरोध कर रहे हैं।

राज ठाकरे के अयोध्या दौरे का विरोध करने वालों का कहना है कि उत्तर भारतीयों को अपराधी कहने वाले राज ठाकरे या तो उत्तर भारतीयों से माफी मांगें अन्यथा अयोध्या आने का साहस न करें। इनका कहना है कि 'हम उत्तर भारतीय ही भगवान श्री राम के वंशज हैं अतः उत्तर भारतीयों का महाराष्ट्र में अपमान किया जाना भगवान श्रीराम का अपमान है। राज ठाकरे भगवान श्री राम के अपराधी हैं। लिहाजा बिना माफी मांगे अयोध्या आने पर उत्तर भारतीय राज ठाकरे का जमकर विरोध करेंगे। इस पूरे प्रकरण में आश्चर्य की बात तो यह है कि जहाँ एक भाजपा सांसद खुलकर राज ठाकरे के अयोध्या दौरे का विरोध कर रहे हैं वहीँ इन्हीं विरोध स्वरों के बीच अयोध्या से भाजपा के ही सांसद लल्लू सिंह, राज ठाकरे के समर्थन में आ गये हैं। सांसद लल्लू सिंह का कहना है कि जो भी प्रभु श्रीराम की शरण में आना चाहता है उसका अयोध्या में स्वागत है। सांसद लल्लू सिंह ने यह भी कहा कि - 'राज ठाकरे पर हनुमान जी की कृपा हुई है इसलिए वह अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी की शरण में आ रहे हैं। मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें सद्बुद्धि मिले जिससे कि वह स्वयं के व महाराष्ट्र के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी की शरण में भी जाएं'। उधर 10 जून को राज ठाकरे के भतीजे आदित्य ठाकरे भी अयोध्या आ रहे हैं। अयोध्या में दोनों 'ठाकरे' के दौरे को लेकर पोस्टर लगाये जा रहे हैं। इसके चलते अयोध्या शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के टकराव का केंद्र बनता जा रहा है। बहरहाल राज ठाकरे के रूप में अवसरवादी व विकृत राजनीति का एक और चेहरा तो जरूर उभर रहा है परन्तु इन सब के बीच उत्तर भारतीयों को यह जानना भी बेहद जरूरी है कि उत्तर भारतीयों के दम पर अपनी सरकार बनाने वाली व हिंदी भाषा का प्रसार करने की कोशिशों में लगी भारतीय जनता पार्टी हिंदी भाषा व उत्तर भारतीयों का विरोध करने वाले राज ठाकरे के प्रति नीतिगत व सैद्धांतिक रूप से आखिर क्या विचार रखती है।

उच्च रक्तचाप : एक मूक हत्यारा

उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर दुनिया में एक आम रोग है, जो मानव स्वास्थ्य को गंभीर रूप से खतरे में डालता है। दुनिया भर में बढ़ते उच्च रक्तचाप के प्रति लोगों में जागरूकता को बढ़ावा देने और सभी देशों के नागरिकों को इस मूक हत्यारे को रोकने और नियंत्रित करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का पहली बार मई 2005 में आयोजित किया गया था। इस दिवस की स्थापना का उद्देश्य यह है कि रोगियों और चिकित्सा कर्मियों सहित सभी लोगों को एक वैज्ञानिक और उचित जीवन शैली बनाने के लिए शिक्षित करना, उच्च रक्तचाप की रोकथाम और उच्च रक्तचाप के इलाज के महत्व को प्रचारित करना है।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को अपने लिए समय नहीं मिल रहा है और वे तनाव और तनाव से भी पीड़ित हैं जो आगे चलकर हाइपरटेंशन की समस्या को जन्म देता है। यह एक प्रकार की स्थिति है जिसे उच्च रक्तचाप के रूप में भी जाना जाता है जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है। उच्च रक्तचाप की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति अपने स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है और अपने काम पर ठीक से ध्यान नहीं दे पाता है। लोग कई तरह की गतिविधियों में आत्मविश्वास से लबरेज हो जाते हैं। तो, हम कह सकते हैं कि उच्च रक्तचाप उच्च रक्तचाप का दूसरा नाम है जो गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकता है और हृदय रोग, स्ट्रोक और मृत्यु के जोखिम को भी बढ़ा सकता है। क्या आप जानते हैं कि रक्तचाप वह बल है जो रक्त द्वारा रक्त वाहिकाओं की दीवारों पर लगाया जाता है? विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग के विकास ने दुनिया भर में आहार में नमक की मात्रा को प्रभावित किया है और यह उच्च रक्तचाप में भूमिका निभाता है।

उच्चरक्तचाप रोग के कारण निष्क्रिय जीवन शैली, अत्यधिक तनाव, मधुमेह, अधिक धूम्रपान, मोटापा, वसायुक्त भोजन। ऐसे लोगों को अधिक खतरा होता है, जिनका कोलेस्ट्रोल, ट्राईग्लिसराइड और वीएलडीएल, एलडीएल अधिक होता है। जानकारी के अनुसार आज विश्व भर में उच्चरक्तचाप रोगियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हमारे शरीर में मौजूद रक्त नसों में लगातार दौड़ता रहता है और इसी रक्त के माध्यम से शरीर के सभी अंगों तक ऊर्जा और पोषण के लिए जरूरी ऑक्सीजन, ग्लूकोज, विटामिन्स, मिनरल्स आदि पहुंचते हैं। ब्लड प्रेशर उस दबाव को कहते हैं, जो रक्त प्रवाह

की वजह से नसों की दीवारों पर पड़ता है। आमतौर पर यह ब्लड प्रेशर इस बात पर निर्भर करता है कि हृदय कितनी गति से रक्त को पंप कर रहा है और रक्त को नसों में प्रवाहित होने में कितने अवरोधों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के जीवन स्तर में काफी सुधार हुआ है, लेकिन लोगों के काम का बोझ और दबाव बढ़ गया है और लोगों की जीवनशैली दिन-ब-दिन अस्वस्थ होती जा रही है। उदाहरण के लिए अब लोगों के अनियमित आहार, देर से सोना और व्यायाम की कमी, जिससे उच्च रक्तचाप होने वालों की संख्या बढ़ा दी है।

गौरतलब है कि देश-विदेश में हुए शोधों के अनुसार एक स्वस्थ जीवनशैली उच्च रक्तचाप से बचा सकती है और उच्च रक्तचाप की रोकथाम कर सकती है। रोजमर्रा के जीवन में, लोगों को यह करना चाहिए: पहला, सकारात्मक रवैया बनाए रखें; दूसरा, स्वस्थ व संतुलित आहार बनाएं; तीसरा, नियमित व्यायाम, वजन नियंत्रण और अच्छी नींद का पालन करें। कुल मिलाकर हमें उच्च रक्तचाप के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ानी चाहिए, सचेत रूप से एक स्वस्थ जीवन शैली विकसित करनी चाहिए और जल्दी से रोकथाम और उपचार करना चाहिए। डॉक्टरों द्वारा बताए गए दिशा-निदेशों के अनुसार, उच्च रक्तचाप की बीमारी से पीड़ित लोगों को कम से कम 150 मिनट मध्यम एरोबिक व्यायाम या 75 मिनट जोरदार-तीव्रता वाला व्यायाम करना चाहिए। लोगों को सप्ताह में कम से कम 5 दिन व्यायाम करना चाहिए जैसे वे टहलना, टहलना, साइकिल चलाना या तैराकी कर सकते हैं। दवा उच्च रक्तचाप को कम करने, अपरिहार्य तनाव को प्रबंधित करने के लिए रणनीति विकसित करने आदि में भी मदद करती है। ब्लड प्रेशर को स्फिग्मोमैनोमीटर या ब्लड प्रेशर मॉनिटर द्वारा मापा जाता है। इसे दो श्रेणियों सिस्टोलिक और डायस्टोलिक (एमएमएचजी) में मापा जाता है। आपको बता दें कि 120 एमएमएचजी का सिस्टोलिक रीडिंग दबाव को संदर्भित करता है क्योंकि हृदय शरीर के चारों ओर रक्त पंप करता है। 80 एमएमएचजी का डायस्टोलिक रीडिंग दबाव को संदर्भित करता है क्योंकि हृदय आराम करता है और रक्त से भर जाता है। उच्च रक्तचाप रोग के लक्षण की बात करें तो जैसा कि हम जानते हैं कि इस बीमारी को साइलेंट किलर के रूप में जाना जाता है और हो सकता है कि व्यक्ति को कोई लक्षण नजर न आए। लेकिन यह कार्डियोवस्कुलर सिस्टम और किडनी जैसे आंतरिक अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है। साथ ही हाई ब्लड प्रेशर के कारण पसीना आना, घबराहट होना, नींद न आना और ब्लशिंग जैसी समस्याएं हो जाती हैं। और उच्च रक्तचाप के संकट में व्यक्ति को सिरदर्द और नाक से खून आने का अनुभव हो सकता है। लंबे समय तक उच्च रक्तचाप एथेरोस्क्लेरोसिस का कारण बन सकता है जहां प्लाक बनने से रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं। इससे दिल की विफलता, दिल का दौरा, एक धमनीविस्फार हो सकता है जो धमनी की दीवार में एक असामान्य उभार है जो फट सकता है और गंभीर रक्तस्राव, गुर्दे की विफलता, स्ट्रोक आदि का कारण बन सकता है।

विनिर्माण केंद्र बनने की चुनौती

विनिर्माण क्षेत्र को लेकर आई रिपोर्टों में कहा गया है कि अगर भारत को इस क्षेत्र में दुनिया का बड़ा केंद्र बनना है तो इसके लिए मौजूद चुनौतियों का रणनीतिक समाधान निकालने पर जोर देना होगा। इसके लिए पांच रणनीतियों की जरूरत बताई गई है। पहली, देश में मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत अभियान और उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआइ) योजना को तेजी से बढ़ावा देना। दूसरी, चीन से छिटके उद्योगों, कंपनियों और पूंजी को भारत में लाना। तीसरी, भारत की अर्थव्यवस्था को निर्यात आधारित बनाने की कोशिशों पर जोर। चौथी, भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और क्वाड सुरक्षा संवाद को सफल बना कर उद्योग-कारोबार को तेजी से बढ़ाना और पांचवा यह कि कौशल विकास एवं स्किल इंडिया को कामयाब बना कर श्रम की गुणवत्ता और नई कार्य संस्कृति को उत्पादन का अभिन्न अंग बनाना।

उल्लेखनीय है कि इस समय दुनियाभर में भारत में बने उत्पादों की मांग बढ़ रही है। आत्मनिर्भर भारत अभियान में विनिर्माण के तहत चौबीस क्षेत्रों को प्राथमिकता के साथ तेजी से बढ़ाया जा रहा है। चूंकि अभी भी देश में दवा, मोबाइल, चिकित्सा उपकरण, वाहन और बिजली उपकरण उद्योग जैसे कई अन्य उद्योग चीन से आयातित कच्चे माल पर निर्भर हैं। ऐसे में चीन के कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले डेढ़ साल में सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआइ) योजना के तहत तेरह उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। अब देश के कुछ उत्पादक चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल हो रहे हैं। पीएलआइ योजना से अगले पांच वर्षों में देश में पांच सौ बीस अरब डालर यानी लगभग चालीस लाख करोड़ रुपए मूल्य की वस्तुओं का उत्पादन होगा।

चूंकि देश के कुल आयात में रक्षा सामान और उपकरणों के आयात पर भारी खर्च होता है। इसलिए देश में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और निर्यात को बढ़ाने के लिए तेजी से काम चल रहा है। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि रक्षा मंत्रालय ने 21 अगस्त, 2020 से लेकर सात अप्रैल 2022 तक स्थानीय स्तर पर बनाए जाने वाले तीन सौ दस प्रमुख रक्षा उपकरणों की सूची जारी की है। इसके अलावा, कोरोना की चुनौतियों के बाद भारत का दवा उद्योग उत्पादन बढ़ा कर दुनिया के दो सौ से ज्यादा देशों को दवाइयां निर्यात कर रहा है। ऐसे में भारत को दुनिया के नए और बड़े दवा उत्पादन केंद्र के रूप में भी देखा जा रहा है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि कोविड-19 को लेकर चीन के प्रति बढ़ी वैश्विक नाराजगी के कारण तमाम विदेशी कंपनियों ने चीन से अपना कारोबार समेटा लिया था। इधर, पिछले कुछ महीनों से चीन में फिर से कोरोना के मामले बढ़ने से कई औद्योगिक शहरों में उत्पादन ठप पड़ गया है। चीन की यह आपदा भारत के लिए बड़े अवसर के रूप में सामने आई है। चीन से बाहर निकलते विनिर्माण, निवेश और निर्यात के मौके भारत की ओर आने लगे हैं। निसंदेह मार्च 2020 में शुरू किए आत्मनिर्भर भारत अभियान के बाद देश के उद्योगों को तेजी से बढ़ाने का मौका मिला है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि भारत विनिर्माण में चीन को पछाड़ सकता है। भारत में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाले कम लागत के उत्पाद बनाए जा सकेंगे और विनिर्माण उद्योग जितनी अधिक बिक्री करेंगे, उससे अर्थव्यवस्था में उतने ही अधिक रोजगार सृजित होंगे। भारत की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था देश को विनिर्माण केंद्र बनाने में प्रभावी भूमिका निभा रही है। कोविड-19 और यूक्रेन संकट की चुनौतियों के बीच पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का उत्पाद निर्यात 419.65 अरब डालर और सेवा निर्यात 249.24 अरब डालर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचना इस बात का संकेत है कि अब भारत निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ता जा रहा है। जैसे-जैसे भारत के निर्यात बढ़ रहे हैं, विनिर्माण क्षेत्र को भी तरक्की के मौके मिल रहे हैं।

विशेष संवाद : भोजशाला में माता श्री वाग्देवी मंदिर के स्थान पर कमाल मौला मस्जिद कैसे ?

अयोध्या, काशी, मथुरा ही नहीं, सभी 36 हजार हडपे हुए मंदिर पुनः प्राप्त किए बिना हिन्दू रुकेंगे नहीं ! – श्री. सुरेश चव्हाणके, सुदर्शन न्यूज

भारत के हजारों मंदिर तोडकर इस्लामी आक्रमणकताओं ने वहां मस्जिदे बनाईं । उस प्रत्येक मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए हिन्दुओं की अनेक पीढियों ने प्राणों का बलिदान दिया है; परंतु मंदिर से अपना अधिकार कभी नहीं छोडा । हम भी उन्हीं हिन्दुओं के वंशज हैं । हिन्दुओं से जो-जो छीन लिया गया है, वह आपको उन्हें पुनः लौटाना होगा । यह आज का नया हिन्दुस्थान है । हिन्दुओं के धार्मिक स्थल पुनः प्राप्त करने का संकल्प कुछ शतक पूर्व किया गया था, उसे साकार करने के प्रयास अब हो रहे हैं । केवल अयोध्या का श्रीराम मंदिर, काशी का श्री विश्वनाथ मंदिर, मथुरा का श्रीकृष्ण मंदिर ही नहीं कुतुबमीनार सहित देशभर के ऐसे 36 हजार मंदिरों की सूची है । ये हडपे हुए मंदिर पुनः प्राप्त किए बिना हिन्दू रुकेंगे नहीं, ऐसा स्पष्ट प्रतिपादन 'सुदर्शन न्यूज' के मुख्य संपादक श्री. सुरेश चव्हाणके ने किया । हिन्दू जनजागृति समिति की ओर से आयोजित 'भोजशाला में माता श्री वाग्देवी मंदिर के स्थान पर कमाल मौला मस्जिद कैसे ?' इस ऑनलाइन विशेष संवाद में वे बोल रहे थे ।

इस समय मध्य प्रदेश के 'अखिल भारत हिन्दू महासभा' के राष्ट्रीय महासचिव श्री. देवेंद्र पांडे ने कहा राजा भोज द्वारा मध्य प्रदेश के धार में वर्ष 1034 में स्थापित किया माता श्री वाग्देवी का (श्री सरस्वती देवी का) सर्वाधिक प्राचीन मंदिर था । उस पर वर्ष 1305 में अलाउद्दीन खिलजी ने आक्रमण कर उसे नष्ट करने का प्रयास किया । आगे वर्ष 1401 में दिलावर खान ने आक्रमण किया और मंदिर के प्रवेशद्वार के निकट मस्जिद बनाई । तदुपरांत महमूद ने और एक मस्जिद बनाई । ब्रिटिश काल में वर्ष 1875 में मंदिर के स्थान पर उत्खनन करते समय प्राप्त हुई माता वाग्देवी की मूर्ति इंग्लैंड के संग्रहालय में ले जाई गई । आज भी भारत का ज्ञान और बुद्धि इंग्लैंड में बंदी है । भारत सरकार इस विषय में इंग्लंड से संवाद कर वह मूर्ति पुनः ला सकती है । इसके लिए हिन्दुओं को दबाव निर्माण करना होगा ।

इस समय 'सनातन संस्था' के धर्म प्रचारक श्री. अभय वर्तक ने कहा मुगलों ने अनेक मंदिर गिराए । उस पर हिन्दुओं ने संघर्ष कर उनका पुनः निर्माण किया; परंतु मुगल आक्रमणकारियों ने उन्हें पुनः ध्वस्त किया । अब भी हम मंदिरों का पुनर्निर्माण कर रहे हैं; परंतु मंदिरों की रक्षा के लिए हम क्या व्यवस्था करनेवाले हैं, इसका विचार हिन्दुओं को करना होगा । इतिहास में हुई चूक पुनः नहीं होनी चाहिए । साथ ही हिन्दुओं से विश्वासघात कर कांग्रेस सरकार द्वारा तैयार किया गया 'प्लेसेस ऑफ वरशिप एक्ट 1991' मंदिरों के निर्माण में बाधक बन रहा है । यह कानून तत्काल हटाया जाना चाहिए । जहां-जहां मंदिर तोडकर मस्जिद बनाई गई, वहां पुनः मंदिर बनाया जाना चाहिए ।

मानव को साहित्य देता है प्राण शक्ति

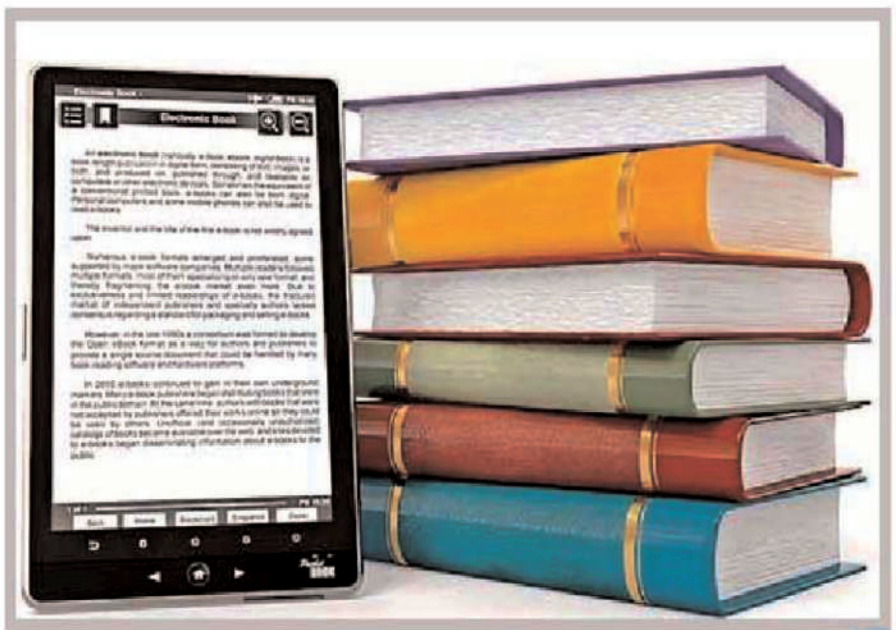

ललित गर्ग

अच्छा साहित्य हमें अमृत की तरह प्राण शक्ति देता है, कोरोना महामारी एवं महासंकट के लॉकडाउन में यह अहसास इन्हीं पुस्तकों से मिला है। पुस्तकों के पढ़ने से जो आनन्द मिला है, वह कोरोना पीड़ा को कम करने का सशक्त माध्यम बना है, कोरोना कहर से ध्वस्त हुए युग के नवनिर्माण का सूत्रपात इसी पुस्तक-संस्कृति से संभव है। भारत में पुस्तक का महत्व, राष्ट्र-समाज निर्माण में उसकी भूमिका अति-प्राचीन है, वेद, शास्त्र, रामायण, भागवत, गीता आदि ग्रन्थ हमारे जीवन की अमूल्य निधि हैं। पुस्तकें जीवन संजीवनी है, जिनका महत्व सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक है, वे हमारी ऐसी मित्र हैं जो हमारी जीवन-निर्मात्री भी हैं।

पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें जिनके पास होती हैं, उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है, वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं, पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं। उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदानप्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व ख्याति दिलाने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यही कारण है कि उन्होंने पुस्तक संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव उपक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम में गत दिनों किया था। हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए उन्होंने लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। उनकी पुस्तक प्रेरणा देश को एक नये सांचे में गढ़ने वाली साबित होगी, इससे नया भारत निर्मित होगा एवं पुस्तक पढ़ने की कम होती रुचि पर विराम लगेगा। पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ होगा। मोदी ने प्रेमचन्द की तीन मशहूर कहानियों ईदगाह, नशा और पूस की रात का जिक्र किया और उन कहानियों में व्यक्त संवेदना की भी चर्चा की।

नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन में वैचारिक क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैचारिक क्रांति का सशक्त आधार पुस्तकें है। एक व्यस्ततम राष्ट्रनायक की जुबान से पुस्तक की उपयोगिता का बखान निश्चित ही पुस्तक-संस्कृति को एक नये युग में ले जायेगा। मोदी ने न केवल प्रेमचंद को जीवंत कर दिया है बल्कि जन-जन को उनकी कहानियां पढ़ने को प्रेरित कर दिया है क्योंकि ये केवल कहानियां नहीं है, एक जीवंत समाज का आइना है। प्रेमचंद ने अपनी इन कहानियों में समाज का जो यथार्थ चित्रण किया है, पढ़ते समय उसकी छवि आपके मन में बनने लगती है। उनकी लिखी एक-एक बात जीवंत हो उठती है। ऐसे सत्साहित्य से ही आदर्श समाज की संरचना हो सकती है।

पुस्तक संस्कृति की उपयोगिता को उजागर करते हुए लोकमान्य गंगाधर तिलक ने कहा था कि यदि कोई मुझे सम्राट बनने के लिये कहे और साथ ही यह शर्त रखे कि तुम पुस्तकें नहीं पढ़ सकोगे तो मैं राज्य को तिलांजलि दे दूंगा और गरीब रहकर ही साहित्य पढ़ूंगा।' यह पुस्तकीय सत्य नहीं, अनुभूति का सत्य है। अतः साहित्य के महत्व को वही आंक सकता है जो उसका पारायण करता है। नये-नये प्रयोग करने वाले मोदीजी अगर देश के राजनेताओं में इस तरह के संस्कार एवं रुचि जगा सकें तो राजनीति से नवीन संभावनाओं के द्वार उद्घाटित हो सकते हैं। निर्माण का हर क्षण इतिहास बन सकता है।

किताबें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। किताबें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। मनुष्य के अंदर मानवीय मूल्यों के भंडार में वृद्धि करने में किताबों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये किताबें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूं जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा भी देती हैं। समाज में कितनी ही बुराइयां व्याप्त हैं, उनसे लड़ने और उनको खत्म करने का काम किताबें ही करवाती हैं। शायद ये किताबें ही हैं जिन्हें पढ़कर मोदी आज दुनिया की एक महाशक्ति बन गये हैं। वे स्वयं तो महाशक्ति बने ही हैं, अपने देश के हर नागरिक को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं। इसीलिये उन्होंने देश भर में एक पुस्तक-पठन तथा पुस्तकालय आंदोलन का आह्वान किया है जिससे न सिर्फ लोग साक्षर होंगे बल्कि सामाजिक व आर्थिक बदलाव भी आएगा।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी हैं क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य हैं और जन-जन के लिये उपयोगी हैं, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज-निर्माण का आधार भी हैं। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती हैं। नये मूल्य, नये मापदण्ड, नई योग्यता, नवीन क्षमताएं, आकांक्षाएं और नये सपने- तेजी से बदलती जिंदगी में सकारात्मकता को स्थापित करने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

इंसान घर बदलता है, लिबास बदलता है, रिश्ते बदलता है, दोस्त बदलता है, फिर भी परेशान क्यों रहता है ? क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया में बैठना बन्द कर दिया है जबकि इन्हीं पुस्तकों की सार्थक कोशिश होती है कि इंसान बदलें, उसकी सोच बदलें, उसका व्यवहार बदलें, लेकिन बदलने की उसकी दिशा सदैव सकारात्मक हो ताकि वह जिंदगी के वास्तविक मायने समझ सके। जब तक इंसान खुद को नहीं बदलता, वह अपनी मंजिल को नहीं पा सकता। मंजिल को पाने एवं जीत हासिल करने के लिए स्वयं का स्वयं पर अनुशासन जरूरी है। यही सूत्र पुस्तक-संस्कृति की उपयोगिता एवं महत्व को उजागर करता है।

पुस्तकें एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक दुनिया है जिसमें विद्वान लेखकों, विचारकों एवं मनीषियों ने अपनी कलम में वही सब कुछ लिखा होता है जिसे उन्होंने अपने आसपास की जिंदगी में देखा है, भोगा है। इन पुस्तकों के विचार किसी न किसी के द्वारा कभी न कभी सोचा, कहा, लिखा, मनन किया या जीया गया होता है। ये पुस्तकें एक जरिया है, झरोखा है जिसमें युगों का ज्ञान है, महापुरुषों के अनुभव हैं, संतपुरुषों की सूक्तियां हैं, प्रबुद्धजनों के जीवन का निचोड़ है जिनकी प्रेरणा और ऊर्जा से इंसानों को रौशनी मिलती है, जो सबके घर में आनंद को और सूरज को अवतरित करने की क्षमता का स्रोत भी है। इंटरनेट और ईपुस्तकों की व्यापक होती पहुंच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है और वह अब भी प्रासंगिक हैं।

भारत ही बल्कि दुनिया को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका असंदिग्ध हैं। हजारीप्रसाद द्विवेदी ने तभी तो कहा था कि साहित्य वह जादू की छड़ी है जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है।' इसलिये साहित्य ही वह मजबूत माध्यम है जो हमारी राष्ट्रीय चेतना को जीवंतता प्रदान कर एवं भारतीय संस्कृति की सुरक्षा करके उसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी संक्रांत कर सकता है। सत्साहित्य ही भारतीय संस्कृति के गौरव को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है, इसी से जीवन सरस एवं रम्य हो सकता है। पुस्तक-प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झंकृत कर उन्हें नये भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है। तय है कि इससे ही कोरोना कहर की विध्वंस-लीला पर विराम लगाकर जीवन-निर्माण के नये दौर की उजली दिशाएं प्रस्फुटित हो सकेंगी।

इंटरनेट और ईपुस्तकों की व्यापक होती पहुंच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है और वह अब भी प्रासंगिक हैं।

पुस्तक प्रेम पर सोशल मीडिया का ग्रहण

देवेन्द्रराज सुथार

किताबें झांकती हैं बंद आलमारी के शीशों से, बड़ी हसरत से तकती हैं, महीनों अब मुलाकातें नहीं होतीं, जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं, अब अक्सर गुजर जाती है कंप्यूटर के पर्दों पर....।

गुलजार साहब की ये कविता किताबों के उस दौर की याद दिलाती है जब किताबें जीवन का अभिन्न अंग हुआ करती थीं। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन के द्वारा पढ़ने, प्रकाशन और कॉपीराइट को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस आयोजित किया जाता है। ज्ञातव्य है कि 23 अप्रैल 1564 को शेक्सपीयर का निधन हुआ था।

शेक्सपीयर एक ऐसे लेखक थे जिनकी कृतियों का अनुवाद विश्व की समस्त भाषाओं में हुआ है। इन्होंने अपने जीवन काल में करीब 35 नाटक और 200 से अधिक कविताएं लिखीं। साहित्य जगत में शेक्सपीयर को जो स्थान प्राप्त है, उसी को देखते हुए यूनेस्को ने 1995 और भारत सरकार ने 2001 में 23 अप्रैल के दिन को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

बदलते युग में तकनीक की घुसपैठ के कारण किताबों के पठन-पाठन में भारी गिरावट देखने को मिली है। अधिकतर युवा अब फेसबुक, वाट्सएप तथा इंटरनेट पर अपना समय गुजारना पसंद करते हैं। किताबें अब केवल ड्राइंग रूम में सजावट का सामान बनकर रह गई हैं। किताबों के प्रति तेज गति से हो रहा मोहभंग चिंताजनक है।

गौरतलब है कि 24 राज्यों के 26 जिलों में 'असर' (एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट) द्वारा किए गए सर्वे में आश्चर्यजनक नतीजे बताते हैं कि इन राज्यों के साठ-साठ गांवों में किए गए सर्वे में यह बात निकलकर आई कि वहां 94 फीसदी लोगों के पास मोबाइल और करीब 74 के पास टेलीविजन हैं। लेकिन किताबों और मैगजीन के मामले में यह आंकड़ा बेहद निराशाजनक है। केवल 10 फीसदी लोगों के घरों में ही किताबें और मैगजीन मिली हैं।

दुनियाभर की 285 यूनिवर्सिटी में ब्रिटेन और इटली की यूनिवर्सिटी ने संयुक्त अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला है कि जो छात्र डिजिटल तकनीक का अधिकतम उपयोग करते हैं, वे पढ़ाई के साथ पूरी तरह नहीं जुड़ पाते और फिसड्डी साबित होते हैं। ज्यादा इंटरनेट के इस्तेमाल से उन्हें अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता और उनमें अकेलेपन की भावना घर कर जाती है। अध्ययन में 25 प्रतिशत छात्रों ने बताया कि उन्होंने दिनभर में 4 घंटे ऑनलाइन बिताए जबकि 70 प्रतिशत ने एक से तीन घंटे तक इंटरनेट का इस्तेमाल किया। इनमें 40 प्रतिशत छात्रों ने सोशल नेटवर्किंग का इस्तेमाल किया जबकि 30 प्रतिशत ने सूचना के लिए इसका इस्तेमाल किया।

इंटरनेट की लत से कई तरह की क्षमता प्रभावित होती है। जैसे, उत्तेजना नियंत्रण, भविष्य की योजना और शैक्षिक वातावरण में बेहतर तालमेल नहीं बना पाना आदि। इसलिए इंटरनेट की लत से प्रभावित छात्रों को पढ़ाई में ज्यादा मुश्किल नजर आई जबकि ऐसे छात्र जो इंटरनेट से दूर रहे, वे पढ़ाई में ज्यादा सफल रहे।

निःसंदेह किताबों को लेकर यह हताशा का माहौल हमारे पिछड़ जाने का संकेत है। किताबों से दिनोंदिन बढ़ती दूरी हमें नैतिक पतन, भौतिकवाद एवं आत्ममुग्ध आधुनिकता से ग्रस्त कर रही है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं साहित्यिक जैसे तमाम क्षेत्रों का ज्ञान हमें किताबों से ही मिलता है। किताबें अमर हैं और जो हमारे व्यक्तित्व का निर्माण कर हमें जीवन जीने की कला सिखाती हैं।

यही नहीं, किताबें एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ज्ञान हस्तांतरित करने का सशक्त माध्यम भी हैं। किताबों से बुद्धि का विकास का होता है तथा हम महान लोगों से चिर-परिचित होकर उनके पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा लेते हैं। दरअसल, किताबें सोच बनाने व बदलने का माद्दा रखती हैं। किताबें हमें अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों काल की जानकारी देती हैं। किताबें मनुष्य की सच्ची मित्र हैं जो प्रत्येक परिस्थिति में बखूबी साथ निभाती हैं।

एक अच्छी किताब हमें सफलता के शिखर तक पहुंचा सकती है। अतः आवश्यक है कि हम किताबों के पठन-पाठन की परंपरा को बरकरार रखें। मोबाइल, टीवी और कंप्यूटर पर समय व्यतीत करने के बजाय उसका उपयोग किताबों से ज्ञान अर्जित करने में करें। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि आज के दौर में किताबों की कीमत में काफी वृद्धि हुई है। अब किताबें रियायती दरों पर मिलनी मुश्किल है। बढ़ती महंगाई से किताबों का सुनहरा संसार भी अछूता नहीं है। आम आदमी के बजट से बाहर होती किताबों के मूल्य में उछाल किताबों के प्रति उदासीनता की वजह है। सच्चाई है कि बाजारवाद के कारण किताबों में अश्लीलता ने पांव पसारे हैं। यह साहित्य सामग्री युवाओं को लक्ष्य से विचलित कर रही है। इस तरह की साहित्य सामग्री पर रोक लगनी चाहिए तथा इनका प्रकाशन बंद होना चाहिए। किताबों के चयन और लेखन दोनों पर विचार-विमर्श आज समय की मांग है।

हर युवा के लिए प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत हैं स्वामी विवेकानंद

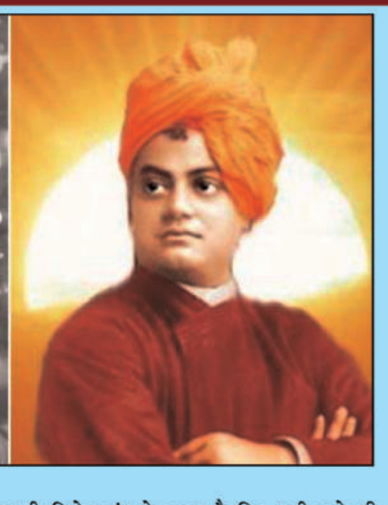

स्वामी विवेकानंद जी की वाणी भारतीयता से ओतप्रोत थी। विवेकानंद जी जब भी बोलते थे, उनके एक एक शब्द में भारत का प्रस्फुटन होता था। वे निश्चित रूप से उस भारतीय संस्कृति के संवाहक थे, जो समस्त विश्व के दिशादर्शक हैं। तभी तो वे कहते थे कि भारतीय संस्कृति केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक प्रगति का आधार है। वर्तमान समय में भी स्वामी विवेकानंद जी विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पुरातन काल में होते थे। स्वामी जी युवाओं को शक्तिशाली बने रहने का भी उपदेश देते थे। उनका मानना था कि जिस देश का युवा निर्बल और शक्तिहीन होगा, वह राष्ट्र कभी शक्ति संपन्न नहीं हो सकता।

हिंदुत्व के बारे में स्वामी विवेकानंद जी की स्पष्ट धारणा थी। वे अपनी वाणी के माध्यम से यह भी कहते थे कि तुम तब और केवल तब ही हिन्दू कहलाने के अधिकारी हो, जब इस नाम को सुनने मात्र से तुम्हारे शरीर में विद्युत प्रवाह की तरह तरंग दौड़ जाए और हर व्यक्ति सगे से भी ज्यादा पसंद आने लगे। स्वामी विवेकानंद जी सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार की तरह ही देखते थे। शिकागो में स्वामी विवेकानंद जी का प्रबोधन इसी भाव धारा का प्रवाहन था। जिसकी गूंज आज भी ध्वनित होती रहती है।

स्वामी विवेकानंद जी ने भारत के बारे में तीन अति महत्व की भविष्यवाणी की थीं। 1890 के दशक में उन्होंने कहा था कि भारत अकल्पनीय परिस्थितियों के बीच अगले 50 वर्षों में ही स्वाधीन हो जाएगा। जब उन्होंने यह बात कही तब कुछ लोगों ने इस पर ध्यान दिया। उस समय ऐसा होने की कोई संभावना भी नहीं दिख रही थी। ऐसी पृष्ठभूमि में स्वामी विवेकानंद ने भविष्यवाणी की कि भारत अगले 50 वर्षों में स्वाधीन हो जाएगा और यह सत्य सिद्ध दी हुई। विवेकानंद ने ही एक और भविष्यवाणी की थी जिसका सत्य सिद्ध होना शेष है। उन्होंने कहा था भारत एक बार फिर समृद्धि तथा शक्ति की महान ऊँचाइयों पर उठेगा और अपने समस्त प्राचीन गौरव को पीछे छोड़ जाएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि भारत का विश्व गुरु बनना केवल भारत ही नहीं, अपितु विश्व के हित में है। विवेकानंद ने कहा था कि समाज का नेतृत्व चाहे विद्या बल से प्राप्त हुआ हो चाहे बाहुबल से, पर शक्ति का आधार जनता ही होती है। उनका मानना था कि प्रजा से शासक वर्ग जितना ही अलग रहेगा, वह उतना ही दुर्बल होगी। हमें नहीं भूलना चाहिए कि यथार्थ भारत झोपड़ी में बसता है, गांव में बसता है। इसलिए भारत की उन्नति भी झोपड़ी और गांव में रहने वाले आम जनता की प्रगति पर निर्भर है। हमारा पहला कर्तव्य दीनहीन, निर्धन, निरक्षर, किसानों तथा श्रमिकों के चिंतन का है।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि अतीत से ही भविष्य बनता है। अतः यथासंभव अतीत की ओर देखो और उसके बाद सामने देखो और भारत को उज्ज्वल तक पहले से अधिक पहुंचाओ। हमारे पूर्वज महान थे। हम भारत के गौरवशाली अतीत का जितना ही अध्ययन करेंगे हमारा भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। भारत में श्रीराम, कृष्ण, महावीर, हनुमान तथा श्रीरामकृष्ण जैसे अनेक ईष्ट और महापुरुषों के आदर्श उपस्थित हैं। महापुरुषों ने संपूर्ण समाज का भला करने की नीति का ही पालन किया। स्वामी जी का एक कथन बहुत ही प्रचलित है उतिष्ठत। जागृत। प्राप्य वरान्निबोधत। अर्थात उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत। यह कथन जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुआयामी प्रगति का मार्ग तैयार करेगा।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि धर्म को हानि पहुंचाए बिना ही जनता की उन्नति की जा सकती है। किसी को आदर्श बना लो, यदि तुम धर्म को फेंक कर राजनीति, समाजनीति अथवा अन्य किसी दूसरी नीति को जीवन शक्ति का केंद्र बनाने में सफल हो जाओ तो उसका फल यह होगा कि तुम्हारा अस्तित्व नहीं रह जाएगा। भारत में हजारों वर्षों से धार्मिक आदर्श की धारा प्रवाहित हो रही है। भारत का वायुमंडल इस धार्मिक आदर्श से शताब्दी तक पूर्ण रह कर जगमगाता रहा है। हम इसी धार्मिक आदर्श के भीतर पैदा हुए और पले हैं। यहां तक कि धर्म हमारे जन्म से ही हमारे रक्त में मिल गया है, जीवन शक्ति बन गया है। यह धर्म ही है जो हमें सिखाता है कि संसार के सारे प्राणी हमारी आत्मा के विविध रूप ही हैं। सच्चाई यह भी है कि हमारे लोगों ने धर्म को समाज में सही रूप में उपयोग भी नहीं किया है। अतः भारत में किसी प्रकार का सुधार या उन्नति की चेष्टा करने के पहले धर्म को अपनाने की आवश्यकता है। भारत को राजनीतिक विचारों से प्रेरित करने के पहले जरूरी है कि उसमें आध्यात्मिक विचारों की बाढ़ ला दी जाए।शिक्षा हमारी मूलभूत आवश्यकता है। भारत के लोगों को यदि आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा नहीं दी जाएगी, तो सारे संसार की दौलत से भारत के एक छोटे से गांव को भी सहायता नहीं की जा सकती। नैतिक तथा बौद्धिक दोनों ही प्रकार की शिक्षा प्रदान करना हमारा पहला कार्य होना चाहिए। राष्ट्रभक्तों की टोलियों पर स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि देशभक्त बनो। इन बातों से युक्त विश्वासी युवा देशभक्तों की आज भारत को आवश्यकता है। स्वामीजी का स्वप्न था कि उन्हें 1000 तेजस्वी युवा मिल जाएं तो वह भारत को विश्व शिखर पर पहुंचा सकते हैं।

सर्दी में नंगे होने का जोश और होश (व्यंग्य)

आप राजनीतिज्ञ हो या....? कृपया ऐसा न कहें, आजकल स्पष्ट, साफ सुथरा, खुला बोलने का जमाना नहीं है। वास्तव में मैं स्वादिष्ट खिचड़ी हूं, एक बढ़िया पेय भी हूं। ध्यान से देखेंगे तो समझ पाएंगे कि मेरे अंदर कितना कुछ छिपा हुआ भी दिख तो रहा है।

रिकॉर्ड जमाऊ शानदार सर्दी में एक अधनंगे से मुलाकात हो गई। अच्छी सूझबूझ के साथ अगर आंकड़े जारी करने हों तो उसे लगभग नंगा या नंगा भी गिन सकते हैं। नंगा बंदा देखकर काफी कपड़े पहने हुए व्यक्ति को भी सर्दी ज्यादा लगने लगती है। मुझे सर्दी ज्यादा लगने लगी मगर लड़खड़ाते लबों से बात हो गई, आप इतनी सर्दी में नंगे घूम रहे हो, आपको देखकर मुझे लगने वाली ठंड बढती जा रही है, बीमार हो जाओगे। उसने मानो बिना मास्क लगाए जवाब दिया, मेरा व्यवसाय ही नंगई है जिसे मैं ईमानदारी, कर्मठता व पूरी पारदर्शिता से करता हूं इसीलिए कुछ नहीं होगा। आपने पांव से सिर तक काफी कुछ ढका हुआ है, हाथों में भी दस्ताने पहन रखे हैं, आप क्या जानो नंगा होना कितना जोशीला होना है। उसके कहने के अंदाज से मुझे लगने लगा कि कहीं न कहीं से मैं भी नंगा लग रहा हूं। मैंने फिर कहा, आप इतनी ज्यादा सर्दी में ऐसे हिस्सों में नंगे हैं जहां से होना नहीं चाहिए। आप समझे नहीं, यह मेरे व्यवसाय का मूल हिस्सा है, इसके कारण ही मेरी आमदनी होती है। यदि शरीर के ये हिस्से न दिखाऊं तो अपनी दुकान बंद हो जाए। विषय बदलते हुए मैंने पूछा आपकी सामाजिक हैसियत क्या है। वह बोला आ गए न असली सवाल पर, आजकल बेशर्मी ही सोशल स्टेटस है वही मेरा भी है।

आप राजनीतिज्ञ हो या....? कृपया ऐसा न कहें, आजकल स्पष्ट, साफ सुथरा, खुला बोलने का जमाना नहीं है। वास्तव में मैं स्वादिष्ट खिचड़ी हूं, एक बढ़िया पेय भी हूं। ध्यान से देखेंगे तो समझ पाएंगे कि मेरे अंदर कितना कुछ छिपा हुआ भी दिख तो रहा है। आप कहो तो मैं पूरा नंगा भी हो सकता हूं। मुझे अब और ठंड लगने लगी थी, क्या आप सचमुच और नंगे हो सकते हो? उसने कहा, हां अभी तक तो मेरा शरीर ही नंगा है, आप चाहें तो नंगेपन की प्रतिशतता बढ़ा सकता हूं इतनी कि आपको शर्म आने लगेगी। उसकी बात ठीक थी, नंगे होने वालों की शर्म खत्म हो जाती है और देखने वालों की बढती जाती है।

वह बोला, आप भूल गए कि हम सब पैदा नंगे ही हुए थे। उसने मुझ पर व्यंग्य किया, इतने सारे कपड़े पहनकर आप भी कहीं न कहीं से नंगे माने जा सकते हो, दिमाग, बुद्धि या व्यवहार से नंगे कहे जा सकते हो। जो अपने आप को नंगा नहीं मानते, शानदार महंगे रंगीन और नमकीन कपड़े पहनते हैं वास्तव में वे भी नंगे हो सकते हैं। उसने मानो मास्क लगाकर घोषणा की कि वह और नंगे भी इक्कठे कर सकता है। मैंने पूछा क्या आप कलाकार हो तो वह बोला, हो सकता है, लेकिन पहले जैसा कलाकार नहीं हूं जो सामाजिक, व्यक्तिगत, पारिवारिक धारणाओं व अनुशासन का ख्याल रखते थे, मुझे तो प्रसिद्धि और पैसा चाहिए, सबका ध्यान चाहिए। मुझे नंगा होने, पूरा नंगा होने में कोई शर्म नहीं। बिल्कुल सही कहा, जो एक बार नंगा हो जाता है दूसरी बार उसे शर्म नहीं आती और किसी भी तरह की ठंड पास फटकने से शमार्ती है।

मार्वेल यूनिवर्स की तर्ज पर बनेगी केजीएफ-3

मुंबई। केजीएफ-2 के बाद अब इसके निर्माता इसका 3रा भाग लाने की तैयारी में जुट गए हैं। फिल्म के निर्माता विजय किर्गंदुर ने फिल्म को लेकर जानकारियां साझा की हैं। विजय किर्गंदुर ने कहा कि फिल्म की टीम की कोशिश मार्वेल की तरह का यूनिवर्स बनाने की है। इसलिए फिल्म की हर कड़ी में नए-नए किरदार जुड़ेंगे,जो इस दुनिया को और भी ज्यादा विशाल बनाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश मार्वेल यूनिवर्स की डॉक्टर स्ट्रेंज की तरह एक नई दुनिया बनाने की है। इस फिल्म ने दुनिया भर में धाकड़ कमाई करते हुए 1100 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया है।

लाइफ Style

कंगना

स्टार किड्स पर साधा निशाना

एजेंसी ▸▸ मुंबई

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर कंगना रनौत कभी भी सीक्रेटिव नहीं रही हैं। एक्ट्रेस इस बात को लेकर मुखर रही हैं कि उन्हें लगता है कि हिंदी फिल्मों में स्टार किड्स को दिए गए मौके बाहरी लोगों के लिए मुश्किल खड़ी कर देते हैं।

अब कंगना ने फिर से स्टार किड्स पर निशाना साधा है। एक इंटरव्यू में कंगना से सवाल किया गया कि साउथ सिनेमा को बॉलीवुड की तुलना में क्या अधिक सफल बनाता है। इस पर उन्होंने जवाब दिया, जिस तरह से उनका अपने दर्शकों के साथ जुड़ाव है, वह बहुत मजबूत है। हमारे साथ क्या होता है कि स्टार के बच्चे पढ़ाई पूरी करने के लिए विदेश चले जाते हैं। वे अंग्रेजी में बात करते हैं, केवल हॉलीवुड फिल्में देखते हैं। वे केवल चाकू और कांटे से खाते हैं और अलग तरह से बात करते हैं। तो वे कैसे जुड़ेंगे? देखने में भी अजीब से ऐसे लगते हैं जैसे उबले हुए अंडे। उनका पूरा लुक बदल गया है इसलिए लोग रिलेट नहीं कर सकते। मेरा मतलब किसी को ट्रोल करना नहीं है।' कंगना ने आगे कहा, देखो पुष्पा कैसा दिखता है,जिसे हम जानते हैं। हर मजदूर उससे जुड़ पा रहा है। बताओ आज के समय में हमारा कौन सा हीरो एक मजदूर की तरह लग सकता है? वे नहीं कर सकते। तो उनकी संस्कृति और उनका जमीनी स्तर उन्हें भुगतान कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि वे बॉलीवुड से प्रेरणा लेना शुरू नहीं करेंगे। अपने देश के लोगों से जुड़े रहना जरूरी है।

हॉलीवुड मसाला

'पेन हसलर्स' में करेंगी काम

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड एक्ट्रेस एमिली ब्लंट बहुचर्चित क्राइम फिल्म पेन हसलर्स में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन डेविड येट्स और फैंटास्टिक बीस्ट्स कर रहे हैं। इस फिल्म की खास बात ये है कि इसको कान्स में खरीदारों के लिए पेश किया जाएगा। खबर के अनुसार, 'द ट्रू अमेरिकन' के राइटर वेल्स टॉवर की एक कहानी से ही इस क्राइम फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही लॉरेंस ग्रे ने अपने ग्रे मैटर प्रोडक्शंस बैनर और विचवुड पिक्चर्स के माध्यम से इसको बनाने का फैसला किया है।

ब्रिटनी स्पीयर्स का हुआ मिसकैरेज...

लॉस एंजेलिस। पॉप गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स ने गर्भावस्था के शुरुआती दौर में अपना बच्चा खो दिया है। उन्होंने अपने साथी सैम असगरी के साथ इंस्टाग्राम पर जारी एक संयुक्त पोस्ट में यह जानकारी साझा की। ब्रिटनी ने अप्रैल में घोषणा की थी कि वह और असगरी माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हमें बेहद दुख के साथ यह जानकारी देनी पड़ रही है कि हमने गर्भावस्था के शुरुआती दौर में अपना बच्चा खो दिया है। यह किसी भी माता-पिता के लिए एक बेहद कष्टदायी समय है। ब्रिटनी और असगरी ने कहा, हमें शायद इस घोषणा के लिए गर्भधारण का कुछ और समय गुजर जाने का इंतजार करना चाहिए था, लेकिन हम यह खुशखबरी साझा करने को लेकर बेहद उत्साहित थे।

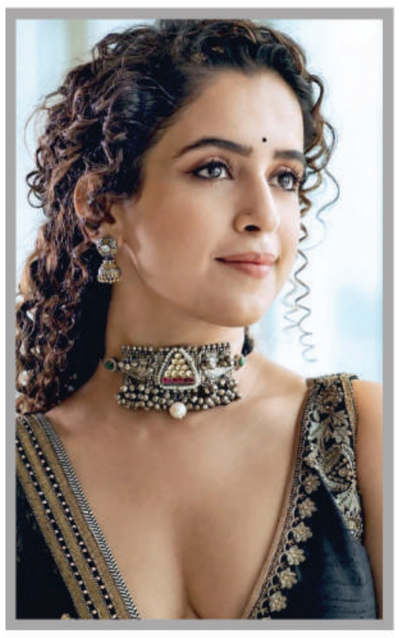

सान्या ने लिए स्कूबा ड्राइविंग के मजे

मुंबई। दंगल गर्ल सान्या मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर समुंद्र के किनारे मस्ती करने वाली कई तस्वीर और वीडियो शेयर की हैं। वहीं एक वीडियो में वो स्कूबा ड्राइविंग करते देख रही हैं। सान्या इन दिनों अपने काम से ब्रेक लेकर वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। तस्वीर की बात करें तो एक्ट्रेस इसमें बिकनी कैरी कर अपना टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं, तो वहीं बाकी की तस्वीरों में एक्ट्रेस प्रकृति के खूबसूरत नजारे दिखा रही हैं। उनके इस पोस्ट को देख लोग कमेंट्स भी कर रहे हैं। एक फैंस ने कमेंट करते हुए लिखा, आप गर्मी में ठंडी हवा लगती हैं। वहीं दूसरे ने लिखा, आप बेहद हॉट हैं। इसके अलावा हार्ट और फायर इमोजी शेयर करके उनके चाहनेवाले उन पर प्यार बरसा रहे हैं।

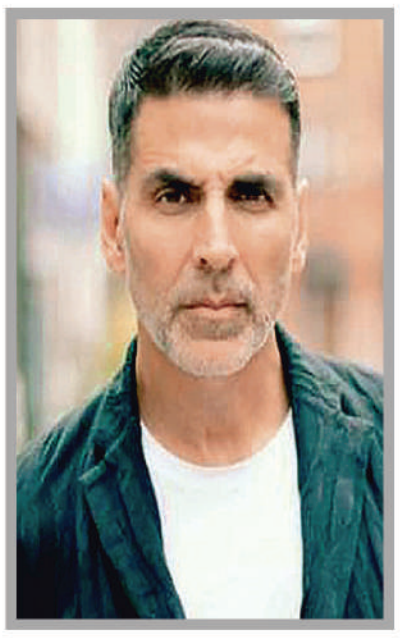

कोरोना की चपेट में आए अभिनेता अक्षय

मुंबई। एक्टर अक्षय कुमार कोरोना संक्रमित हो गए हैं। इस बात की जानकारी अभिनेता ने ट्वीट कर दी है। अक्षय दूसरी बार कोरोना संक्रमित हुए हैं। अब कोरोना पॉज़ीटिव होने की वजह से वह 17 मई को शुरू होने वाले कान्स फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। अक्षय कुमार ने ट्वीट कर अपने कोविड पॉजीटिव होने की जानकारी देते हुए लिखा, इंडियन पवेलियन कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 में मैं अपने सिनेमा को आगे बढ़ाने को लेकर काफी उत्सुक था, लेकिन मैं अब यह नहीं कर पाऊंगा, क्योंकि मैं कोरोना पॉजिटिव पाया गया हूं। मैं आराम करूंगा। ढेर सारी शुभकामनाएं आपको और टीम को अनुराग ठाकुर। मैं वहां होना बहुत मिस करूंगा।

टीवी मसाला

रोहित ने बढ़ाई खतरों के खिलाड़ी सीज़न 12 के लिए अपनी फीस...

मुंबई। रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी एक बार फिर से अपने नए सीज़न के साथ लौट रहा है। खतरों के खिलाड़ी सीज़न 12 के लिए ढेर सारे टीवी और रियलिटी स्टार्स के नाम की चर्चा है। लेकिन सबसे ज़्यादा चर्चा है शो के होस्ट रोहित शेट्टी की फीस की। माना जा रहा है कि इस सीज़न, रोहित शेट्टी ने अपनी फीस बढ़ा दी है। पिछले सीज़न रोहित शेट्टी, 50 लाख रूपए प्रति एपिसोड चार्ज कर रहे थे। वहीं इस सीज़न, रोहित शेट्टी 60 लाख रूपए प्रति एपिसोड चार्ज करेंगे। आम तौर पर खतरों के खिलाड़ी, 9 हफ्ते ऑन एयर होता है,जिनमें 12-14 एपिसोड रहते हैं। ऐसे में रोहित शेट्टी इस सीज़न लगभग 8 करोड़ के आस पास की फीस लेंगे। गौरतलब है कि पिछले सीज़न में रोहित शेट्टी को 50 लाख, राहुल वैद्य को 15 लाख रूपए और दिव्यांका त्रिपाठी को 10 लाख रूपए प्रति एपिसोड दिए गए थे। इस सीज़न भी शिवांगी जोशी को सबसे महंगी प्रतिभागी बताया जा रहा है, जो हर एपिसोड के 12 लाख रूपए ले रही हैं।

मीका के स्वयंवर में बाराती बनेंगे कपिल, जोधपुर हुए रवाना ...

मुंबई। मीका सिंह स्वयंवर करने जा रहे हैं। उनके स्वयंवर में कपिल शर्मा बराती बनेंगे और कपिल मुंबई से जोधपुर रवाना हो चुके हैं। कपिल शर्मा ने खुद तस्वीरें शेयर कर इसकी जानकारी दी। मीका का स्वयंवर इन दिनों जोधपुर में चल रहा है। ठाठ बाट के शहर जोधपुर के किसी खूबसूरत किलेनुमा होटल में मीका का स्वयंवर हो रहा है। स्वयंवर अटेंड करने के लिए कपिल शर्मा मुंबई से जोधपुर के लिए प्राइवेट प्लेन से रवाना हुए है। इसकी तस्वीरें कपिल ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है।

मैंने कभी माफिया का किरदार नहीं निभाया

मुंबई। फिल्म 'धाकड़' में दिव्या दत्ता, माफिया की भूमिका निभा रही हैं। इसे लेकर अदाकारा ने कहा है कि उन्होंने अब तक ऐसा खतरनाक किरदार कभी नहीं निभाया है। दिव्या ने कहा, मैंने फिल्म में रोहिणी जैसी बदमाश का किरदार कभी नहीं निभाया। वह माफिया है, वह एक ही समय में मतलबी, स्वादिष्ट, सांवली और सेक्सी है। मुझे नहीं पता कि कैसे लेकिन हर बार एक्शन और कट के बीच, कुछ अलग, मेरे अभिनय में चरित्र के कुछ बहुत ही मतलबी लक्षण सामने आएंगे। हमारे निर्देशक मुझसे पूछते है, यह दरिद्रता दिव्या में कहां से आ रही है? मैं हंसती और जवाब देती, मुझे इसके लिए दोषी मत ठहराओ! दिव्या ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, जितना ज्याद हम कैरक्टर का पता लगाते हैं, हमें इंसान के दिमाग की उतनी ही गहरी समझ मिलती है और एक अभिनेता के लिए, यह एक आत्म खोज भी है।

सोशल मीडिया पर भड़की हुमा

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सोहेल खान एक्ट्रेस हुमा कुरैशी के साथ रिलेशनशिप में हैं। एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने इन खबरों का खंडन करते हुए सोशल मीडिया के जरिए ही पब्लिक को जवाब दिया। हुमा कुरैशी ने सोहेल खान को अपने बड़े भाई की तरह बताकर सबका मुंह बंद कर दिया था। हुमा कुरैशी ने अपना गुस्सा सोशल मीडिया पर निकालते हुए लिखा, 'आप लोगों को हम सभी से माफी मांगनी चाहिए। आपके कोई एथिक्स, कोई मोरैलिटी नहीं है। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो जल्द ही फिल्म 'डबल एक्सएल में सोनाक्षी सिन्हा के साथ नजर आएंगी।

इंस्टाग्राम लाइव पर सिद्धार्थ ने किया कमेंट

मुंबई। कियारा आडवाणी फिल्म 'भूल भुलैया 2' को प्रमोट करने के लिए अपने फैंस के साथ एक इंस्टाग्राम लाइव किया। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी इस लाइव को देखा। फैंस ने इस बात पर ध्यान दिया और सोशल मीडिया पर स्क्रीन शॉट शेयर किया। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कियारा आडवाणी का ना सिर्फ लाइव वीडियो देखा बल्कि उस पर कमेंट भी किया। इस वीडियो को देखने के बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कमेंट करते हुए लिखा, 'कम ऑन।' सिद्धार्थ मल्होत्रा के कमेंट को फैंस ने भी खूब पसंद किया और अपने-अपने रिएक्शन दिए। इस पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बॉयफ्रेंड जो अपनी गर्लफ्रेंड का सपोर्ट करता है।'

शरीर में मौजूद ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है

गर्मी में थकान दूर करता है गन्ने का रस, मिलती है एनर्जी

गर्मी में सूरज के प्रभाव को कम करने में गन्ने का रस मदद करता है। ज्यादातर लोग प्यास बुझाने के लिए पानी के बजाय प्राकृतिक पेय पसंद करते हैं, चाहे वे गर्म दिनों में कितना भी पानी पिएं। इनमें से सबसे लोकप्रिय गन्ने का रस है। नींबू और अदरक से बना एक या दो गिलास गन्ने का रस गर्मी को कम करता है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

गन्ने का रस न केवल एक स्वादिष्ट, धूप के अनुकूल शीतल पेय है। यह आयरन, इलेक्ट्रोलाइट्स और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अगर थकान या कमजोरी महसूस करते हैं तो गन्ने का रस पीने से तुरंत एनर्जी मिल सकती है। इसमें प्राकृतिक मिठास होती है, आयरन होता है, तुरंत ऊर्जा देता है और थकान को दूर करता है।

डिहाइड्रेशन को रोकता

गन्ने का रस डिहाइड्रेशन को रोकता है। इसमें इलेक्ट्रोलाइट होता है। गर्मियों में गंभीर जल कुपोषण का खतरा होता है। इसलिए अगर आपको बहुत प्यास या डिहाइड्रेटेड महसूस हो तो भी गन्ने का रस पी सकते हैं।

शरीर से अवांछित पानी को बाहर निकालता

शरीर में अतिरिक्त पानी और नमक पेशाब में निकल जाता है। इससे गर्मी में संक्रमण से बचाव होगा। गन्ने का रस एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। यह शरीर में मौजूद ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है। कोशिकाओं को पुनः उत्पन्न करता है। यह उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकता है और त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ाता है।

ऑक्सीजन के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करता

इसके अलावा गन्ने के रस में मैग्नीशियम और आयरन जैसे अन्य खनिज भी होते हैं, जो कुपोषण को ठीक करने में मदद करते हैं। यह शरीर में रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बढ़ाने में भी मदद करता है। मौजूदा माहौल में कई जगहों पर बेंत की गाड़ियां हैं. इसलिए, सरल, किफायती प्राकृतिक पेय गन्ने का रस पीने से सनबर्न के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

शेयर समीक्षा: कंपनियों के नतीजों व एलआईसी के आईपीओ पर रहेगी नजर

वैश्विक रुख पर निर्भर शेयर बाजार की चाल

मुंबई। आने वाले सप्ताह में शेयर बाजार की चाल काफी हद तक वैश्विक रुख पर निर्भर करेगी। साथ ही एलआईसी के आईपीओ, थोक महंगाई के आंकड़े व कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। विशेषज्ञों ने कहा, घरेलू शेयर बाजार में यह लगातार पांचवें सप्ताह गिरावट रही है। दुनिया भर में आसमान छूती महंगाई और मौद्रिक सख्ती शेयर बाजारों के लिए प्रमुख चिंताएं हैं। हालांकि अमेरिकी बाजार में पिछले दो कारोबारी सत्रों में कुछ स्थिरता आई है, जो निवेशकों को राहत प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह के लिए कोई प्रमुख संकेत नहीं हैं इसलिए शेयर बाजार के लिए वैश्विक रुख महत्वपूर्ण होगा। हालांकि घरेलू मोर्चे पर भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी आईपीओ की लिस्टिंग 17 मई को होगी, जो घरेलू शेयर बाजार के लिए प्रमुख कारक होगी। विदेशी संस्थागत निवेशक एफआईआई लगातार बिक्री कर रहे हैं जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक डीआईआई अपनी बिक्री की भरपाई करने की कोशिश कर रहे हैं इसलिए उनका व्यवहार भी बाजार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही डॉलर इंडेक्स की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और रुपए की दिशा अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की निगाह अप्रैल के थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी रहेगी, जो मंगलवार को आने हैं। तिमाही नतीजों की वजह से कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इस सप्ताह भारती एयरटेल, डीएलएफ, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, आईटीसी, आईडीएफसी, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी के तिमाही नतीजे आने हैं। बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 2041.96 प्रतिशत की बड़ी गिरावट लेकर 52793.62 अंक और निफ्टी 629.1 अंक टूटकर 15782.15 अंक पर आ गया।

एफपीआई ने मई में 25200 करोड़ रुपए निकाले

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एफपीआई ने मई के पहले पखवाड़े में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 25200 करोड़ रुपये की निकासी की है। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी और कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच विदेशी निवेशक लगातार भारतीय शेयरों से अपना निवेश निकाल रहे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अप्रैल, 2022 तक लगातार सात माह बिकवाल रहे और उन्होंने भारतीय शेयरों से 1.65 लाख करोड़ रुपए निकाले। इस समय भारतीय शेयरों में एफपीआई की हिस्सेदारी घटकर 19.5 प्रतिशत पर आ गई है, जो मार्च 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। शेयरों के अलावा इस अवधि में एफपीआई ने ऋण या बांड बाजार से भी 4342 करोड़ रुपए निकाले हैं।

आठ शीर्ष कंपनियों को 2.48 लाख करोड़ रुपए का नुकसान, रिलायंस को सबसे अधिक नुकसान

सेंसेक्स की टॉप 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.48 लाख करोड़ रुपए घट गया। इस दौरान सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को उठाना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 130627.7 करोड़ रुपए घटकर 1642568.98 करोड़ रुपए रह गया। एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में 35073.72 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 397189.84 करोड़ रुपए पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 29279.72 करोड़ रुपए गिरकर 470856.80 करोड़ रुपए पर और इन्फोसिस का 16869.36 करोड़ रुपए के नुकसान से 632432.92 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 14427.28 करोड़ रुपए घटकर 716641.13 करोड़ रुपए पर और भारती एयरटेल की 11533.26 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 378620.36 करोड़ रुपए पर आ गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 7153.45 करोड़ रुपए घटकर 1248998.89 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी का 3408.48 करोड़ रुपए के नुकसान से 386636.58 करोड़ रुपए पर आ गया। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 10514.42 करोड़ रुपए बढ़कर 515582.56 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन 1231.33 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 353200.33 करोड़ रुपए रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

छोटे किराना व नॉन-फूड ब्रांड्स खरीदेगी रिलायंस

कंज्यूमर गुड्स के कारोबार में सबसे बड़ा खिलाड़ी बनने की तैयारी में मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी छोटे किराना व नॉन-फूड ब्रांड्स खरीदने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज कितना निवेश करेगी अभी यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन मुकेश अंबानी की मंशा कंज्यूमर गुड्स के कारोबार में देश का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनने की है। सूत्रों ने कहा है कि रिलायंस ने पांच साल के भीतर कारोबार से 500 अरब रुपए यानी 6.5 अरब डॉलर की सालाना बिक्री हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इस अधिग्रहण के बाद रिलायंस अलग-अलग ब्रांड्स का एक हाउस बन जाएगा। नई कारोबार योजना के साथ रिलायंस दुनिया के कुछ सबसे बड़े कंज्यूमर ग्रुप जैसे नेस्ले, यूनिलीवर, पेप्सिको इंक और कोका-कोला को चुनौती देना चाहता है। बता दें कि ये कंपनियां भारत में दशकों से काम कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस अगले 6 महीने के भीतर 50 से 60 किराना, घरेलू और पर्सनल केयर ब्रांड्स का एक बड़ा पोर्टफोलियो बनाने की योजना बना रही है। साथ ही इसे देश के सबसे बड़े रिटेल आउटलेट बनाने के मकसद से काफी संख्या में डिलिवरी पार्टनल की हायरिंग शुरू कर दी गई है। हालांकि, रिलायंस ने इस मामले पर फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है।

30 बड़े ब्रांड्स से बातचीत अंतिम चरण में

रिलायंस लगभग 30 बड़े और मशहूर लोकर कंज्यूमर ब्रांड्स के साथ बातचीत के अंतिम चरण में है। कंपनी इस डील को जल्द से जल्द फाइनल करना चाह रही है। जानकारी के मुताबिक, रिलायंस इन ब्रांड्स का या तो पूरा टेकओवर करेगी या फिर ज्वाइंट वेंचर पार्टनरशिप के तहत करेगी।

शिपिंग कॉरपोरेशन को जोरदार मुनाफा

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी शिपिंग कॉरपोरेशन का जल्द ही निजीकरण होने जा रहा है। सरकार इसमें अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच रही है। बिक्री से पहले जहाजरानी कंपनी शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया ने तगड़ा मुनाफा अर्जित किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवंबर 2020 में एससीआई के रणनीतिक विनिवेश को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। चालू वित्त वर्ष में एससीआई का निजीकरण पूरा होने की संभावना है। मार्च 2022 तिमाही में शिपिंग कॉरपोरेशन का शुद्ध लाभ 77.42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 152.16 करोड़ रुपए रहा। एक वर्ष पहले मार्च 2021 की तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 85.76 करोड़ रुपए रहा था। वर्ष 2021-22 के समूचे वित्त वर्ष में एससीआई ने 865.22 करोड़ रुपए का समेकित लाभ दर्ज किया।

बैंक बोर्ड ब्यूरो के पुनर्गठन को मंजूरी जल्द

दो साल का विस्तारित कार्यकाल पिछले महीने समाप्त

नई दिल्ली। बैंक बोर्ड ब्यूरो के पुनर्गठन को जल्द मंजूरी मिल सकती है। सरकार बैंक बोर्ड ब्यूरो बीबीबी के पुनर्गठन को अंतिम रूप देगी। इसका दो साल का विस्तारित कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के शीर्ष प्रबंधन स्तर के पदों पर नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों की खोज करने वाले बैंक बोर्ड ब्यूरो का कार्यकाल 10 अप्रैल को समाप्त हुआ है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति एसीसी जल्द ही बीबीबी के पुनर्गठन पर फैसला करेगी। अप्रैल, 2018 से बीबीबी का नेतृत्व कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के पूर्व सचिव बीपी शर्मा कर रहे हैं। इसके अन्य अस्थायी सदस्यों में क्रेडिट सुइस की पूर्व प्रबंध निदेशक वेदिका भंडारकर, भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक पी प्रदीप कुमार और रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के संस्थापक प्रबंध निदेशक प्रदीप पी शाह हैं। सूत्रों ने कहा कि चेयरमैन और कुछ सदस्यों को बनाए रखना या पूरी तरह से नए बोर्ड का पुनर्गठन करना सरकार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में नियुक्तियां, बीबीबी के नए सदस्यों के कार्यभार संभालने के बाद होंगी।

राहत : इस्पात के दाम 10 से 15 फीसदी तक गिरे

कोयले की कमी से द्वितीयक श्रेणी के उत्पादकों पर संकट

कोलकाता। वैश्विक घटनाक्रम रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते इस्पात की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है, लेकिन अब इसके दामों में गिरावट आने लगी है। वहीं जिंसों के ऊंचे दाम की वजह से इस्पात क्षेत्र की कंपनियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कोलकाता के बाजार में लॉन्ग उत्पादों की कीमतें औसतन 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57000 रुपए प्रति टन पर आ गई हैं, जो पहले 65000 रुपए प्रति टन के उच्चस्तर पर थीं। अधिकारियों ने बताया कि द्वितीयक इस्पात उत्पादकों के लिए कोयला प्रमुख कच्चा माल है। उस समय कोयले के दाम उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी हैं। वहीं बड़ी कंपनियों के इस्पात के दाम उस समय 75000 से 76000 रुपए प्रति टन पर पहुंच गए थे। स्टील रोलिंग मिल्स एसोसिएशन के चेयरमैन विवेक अदुकिया ने बताया, टीएमटी छड़ और स्ट्रक्चरल जैसे इस्पात उत्पादों की सुस्त मांग के कारण इनकी कीमत 10 से 15 प्रतिशत घट गई है।

लागत में 50 फीसदी इजाफा

उन्होंने कहा, कच्चे माल की गुणवत्ता से समझौता करने के बावजूद हमारी लागत में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन डीआरआई का उपयोग करने वाले द्वितीयक क्षेत्र के इस्पात उत्पादकों को स्पॉन्ज आयरन बनाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले तापीय कोयले की जरूरत होती है। उन्होंने कहा आयातित कोयले की कीमत 120 डॉलर प्रति टन थी, जो रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने के बाद 300 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गई है। अदुकिया ने कहा कि इस्पात कंपनियां अब अपने अस्तित्व के लिए कोयले का आयात करने के लिए मजबूर हैं क्योंकि कोल इंडिया उनकी मांग पर ध्यान नहीं दे रही है।

पावरग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की सूचीबद्धता के एक साल पूरे

गुरुग्राम। महारत्न सीपीएसई पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड पावरग्रिड के भारत के पहले इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट पीजीइनविट ने 14 मई को बीएसई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलतापूर्वक अपनी सूचीबद्धता के एक साल पूरे किए। इस अवधि में पीजीइनविट यूनिट्स ने अपने यूनिटहोल्डर्स को 100 रुपए के ऑफर प्राइस पर बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 37 फीसदी का कैपिटल रिटर्न दिया है। यूनिटहोल्डर्स को कुल रिटर्न लगभग 45 फीसदी रहा है, जिसमें कुल वितरण शामिल है। लिस्टिंग के बाद से पीजीइनविट द्वारा 7.50 रुपए प्रति यूनिट भुगतान किया गया है। पीजीइनविट अप्रैल 2021 में अपना आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लेकर आया था, जिसे निवेशकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी और कोरोना महामारी तथा अस्थिर बाजार परिस्थितियों के बावजूद निवेशकों का 4.83 गुना अभिदान मिला। सितंबर 2020 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन के अनुसार पावरग्रिड के माध्यम से पीजीइनविट ने अपने पांच एसपीवी का मुद्रीकरण किया जिसे उसने टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धा के तहत हासिल किया था। वित्त वर्ष 2022-25 के दौरान पावरग्रिड द्वारा लगभग 45200 करोड़ रुपए के मुद्रीकरण की परिकल्पना की गई है। पीजीइनविट सेबी के इनविट विनियमों के तहत स्थापित एक सार्वजनिक सूचीबद्ध इनविट है। पीजीइनविट का आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड ट्रस्टी है और पावरग्रिड इसका प्रायोजक और प्रोजेक्ट मैनेजर है। पावरग्रिड ऊंचाहार ट्रांसमिशन लिमिटेड, पावरग्रिड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

क्रिप्टोकरेंसी से अर्थव्यवस्था के डॉलरीकरण का जोखिम

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी से अर्थव्यवस्था के एक हिस्से का डॉलरीकरण हो सकता है। यह भारत के संप्रभु हितों के खिलाफ होगा।

यह बात भारतीय रिजर्व बैंक ने एक संसदीय समिति के समक्ष क्रिप्टो करेंसी को लेकर कहा है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास समेत शीर्ष अधिकारियों ने अपनी बात रखी। उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर अपनी आशंकाओं को उनके सामने रखा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे वित्तीय प्रणाली की स्थिरता को लेकर चुनौतियां खड़ी होंगी। आरबीआई के अधिकारियों ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी का बैंकिंग प्रणाली पर भी नकारात्मक असर होगा क्योंकि आकर्षक परिसंपत्तियां होने के कारण हो सकता है कि लोग अपनी मेहनत की कमाई इनमें लगाएं जिसके परिणामस्वरूप बैंकों के पास देने के लिए संसाधनों की कमी हो। रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने आगाह किया कि आतंक के वित्तपोषण, धनशोधन और मादक पदार्थों की तस्करी में भी क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सीमेंट कंपनी अंबुजा व एसीसी खरीदेंगे अडानी

81 हजार करोड़ रुपए में सौदा

मुंबई। अडानी ग्रुप के मुखिया और एशिया के सबसे अमीर गौतम अडानी अब सीमेंट के क्षेत्र में अपना सिक्का जमाना चाहते हैं। इसके लिए अडानी ने सीमेंट कंपनी अंबुजा और एसीसी को खरीदेंगे। अडाणी ग्रुप ने यह सौदा करीब 81 हजार करोड़ रुपए यानी 10.5 अरब डॉलर में किया है। यह भारत के इंफ्रा और मटेरियल्स स्पेस में सबसे बड़ा अधिग्रहण है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी पिछले हफ्ते इस डील के संबंध में अबुधाबी और लंदन गए थे। एसीसी यानी एसोसिएटेड सीमेंट कंपनीज और अंबुजा पर मालिकाना हक होलसिम कंपनी का है। यह स्विट्जरलैंड की बिल्डिंग मटेरियल कंपनी है। एसीसी की शुरुआत एक अगस्त 1936 को मुंबई से की गई थी। उस समय कई ग्रुप्स ने मिलकर इसकी नींव रखी थी। अंबुजा सीमेंट की स्थापना 1983 में नरोत्तम सेखसरिया और सुरेश नियोतिया ने की थी। इस टेकओवर की जानकारी देते हुए गौतम अडानी ने ट्वीट कर कहा, भारत की कहानी में हमारा विश्वास अडिग है। भारत में होलसिम की सीमेंट कंपनियों को हमारी ग्रीन एनर्जी और लॉजिस्टिक्स के साथ मिलाने से ये हमें दुनिया की सबसे ग्रीनेस्ट सीमेंट कंपनी बना देगी।

भारत में कारोबार बंद कर सकती है होलसिम

होलसिम कंपनी ने भारत में 17 साल पहले कारोबार शुरू किया था। यह दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी मानी जाती है। इस डील के बाद कंपनी भारत में अपना बिजनेस बंद कर सकती है। होलसिम ग्रुप की देश में दो सीमेंट कंपनियों अंबुजा सीमेंट और एसीसी लिमिटेड में हिस्सेदारी है। 73128 करोड़ रुपए वैल्यू वाली अंबुजा सीमेंट में होल्डरइंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के जरिए होलसिम की 63.19 फीसदी और एसीसी में 54.53 फीसदी की हिस्सेदारी है। अंबुजा सीमेंट की स्थापना 1983 में नरोत्तम सेखसरिया और सुरेश नियोतिया ने की थी। इन दोनों ट्रेडर्स को सीमेंट या मैन्युफैक्चरिंग का बहुत कम नॉलेज था।

महंगाई से निपटने पैकेट का वजन घटा रहीं कंपनियां

नई दिल्ली। रोजमर्रा के इस्तेमाल का उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां एफएमसीजी जिंस कीमतों में बढ़ोतरी और मुद्रास्फीति की चुनौती से निपटने के लिए अपने उत्पादों के पैकेट का वजन घटा रही हैं। इसके अलावा कंपनियों ने ब्रिज पैक भी उतारे हैं। ब्रिज पैक किसी उत्पाद श्रृंखला में अधिकतम और सबसे कम मूल्य के बीच की श्रेणी होता है। वजन घटाने की वजह से इन कंपनियों को पैकेटबंद उत्पादों के दाम नहीं बढ़ाने पड़े हैं। इस तरह का कदम कंपनियां मुख्य रूप से कम आय वर्ग के उपभोक्ताओं को लक्ष्य कर उठा रही हैं। इसके अलावा इन कंपनियों ने किसी उत्पाद के बड़े पैकेट के दाम में बढ़ोतरी की है। हालांकि, यह वृद्धि भी 10 प्रतिशत से कम की है। आगामी तिमाहियों में मुद्रास्फीति के कम होने के कोई आसार नहीं आ रहे हैं। ऐसे में कई कंपनियों ने दाम बढ़ाने के बजाय उत्पादों के वजन में कटौती की है। पार्ले प्रोडक्ट्स में वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा कि उपभोक्ता का रूझान वैल्यू पैक की ओर बढ़ गया है और एलयूपी पैक की बिक्री कुछ बढ़ गई है। उपभोक्ता पैसा बचाने के लिए छोटे पैक खरीद रहे हैं और यह सभी एफएमसीजी श्रेणियों में हो रहा है।

कंपनियों ने पेश किए ब्रिज पैक

निर्माण लागत तेजी से बढ़ी

इंडोनेशिया से पाम तेल के निर्यात पर रोक और रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक संकट की वजह से निर्माण लागत बहुत तेजी से बढ़ी है। इन्हीं से निपटने के लिए एफएमसीजी विनिर्माता सस्ती पैकेजिंग, रिसाइकल किए उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं और विज्ञापन तथा विपणन पर खर्च में कटौती कर रहे हैं। जिंसों की बढ़ती कीमतें और आसमान छूती महंगाई के कारण उपभोक्ता कम खर्च करना चाह रहे हैं और बजट न गड़बड़ाये इसलिए लो यूनिट प्राइज पैक खरीद रहे हैं। शहरी बाजारों में प्रति व्यक्ति आय और उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता अधिक होती है, इसलिए हमने बड़े पैक की कीमतें बढ़ा दी हैं। ग्रामीण बाजारों में एलयूपी पैक बिकते हैं, उनके लिए उत्पाद का वजन कम किया गया है।

बुनकर बिरादराना तंजीम बाईसी के नए सरदार की परम्परागत तरीके से हुई दस्तारबन्दी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुरानापुल पुल्कोहना स्थित ईदगाह में बुनकर बिरादराना तंजीम बाईसी के नए सरदार की परम्परागत तरीके से दस्तारबन्दी हुयी । इस मौके पर कार्यवाहक सरदार गुलाम मोहम्मद उर्फ दरोगा ने बताया की बुनकर बिरादराना तंजीम बाईसी ये तंजीम बनारस की बहुत कदीमी तंजीम है इस तंजीम को आगे बढ़ाने और समाज के सभी लोगो को साथ ले का चलने में पूर्व के सभी सरदारो ने बड़ी मेहनत और मोहब्बत और भाईचारगी के साथ सभी को साथ ले कर चलने की परंपरा का निर्वाह किया । बुनकर बिरादराना तंजीम बाईसी के सरदार हाजी अब्दुल कलाम साहब का पिछले साल आकस्मिक मृत्यु हो गयी थी जिसमे परंपरा के अनुसार कार्यवाहक सरदार मुझे बनाया गया । और आज उसी परंपरा को निभाते हुए बुनकर बिरादराना तंजीम बाईसी के काबीना के सभी सम्मानित सदस्यो द्वारा चुने गए नए सरदार हाजी हाफिज मोईनुद्दीन उर्फ कल्लू हाफी जी को परम्परा के अनुसार बुनकर बिरादराना तंजीम बावनी के सद्र जनाब हाजी मुख्तार महतो साहब ने बाईसी तंजीम के नए सरदार हाजी हाफिज मोईनुद्दीन उर्फ कल्लू हाफीजी को सर पर पगड़ी बांध कर सारे काबीना के लोगो और सैकड़ो अवाम के मौजूदगी में बाईसी तंजीम के सरदार की जिम्मेदारी दी और इस मौके पर बुनकर बिरादराना तंजीम बावनी के सद्र हाजी मुख्तार महतो साहब ने कहा की बनारस में बुनकर बिरादराना तंजीमो में सरदारगी की ये परंपरा सदियो पुराणी है जो हमसब के पूर्वजो ने ये सरदारगि की तंजीमें बनायीं थी और बनारस की अवाम अपने अपने सरदार और महतो के द्वारा कही गयी बातो को मानते है और आपस में एकता और भाईचारगी का पैगाम पेस करते है और अपने समाज को आगे ले कर चलते है हर एक के दुःख सुख में सामिल होते है ये परंपरा सिर्फ और सिर्फ बनारस में ही मिलेगी और कही नहीं मिलती हम सब की हमेसा यही कोसिस रहती है अपने समाज को एक साथ ले कर चले और उसमे अवाम का भरपूर साथ भी मिलता है । आज दस्तारबंदी के बाद बुनकर बिरादराना तंजीम बाईसी के नए सरदार हाजी हाफिज मोईनुद्दीन उर्फ कल्लू हाफीजी जी ने इस पारंपरिक दस्तारबंदी में आये हुए सभी अवाम का और बाईसी के काबीना के सभी सदस्यों का सुक्रिया अदा कीया और कहा की आज आप सभी ने मुझपर जो भरोसा कर के बाईसी तंजीम के सरदार की जो जिम्मेदारी दी है मै आप सभी को ये यकीन दिलाता हु की मैं अपने कौम और समाज के भलाई के लिए दिन रात मेहनत करूँगा और मेरे सामने जो भी मसले लायेजायेंगे मै उन सभी मसलो को बिना किसी भेद भाव के हल करने की कोसिस करूँगा । बनारस की सरदार महतो की जो ये परंपरा है उस परम्परा कोमै पूरी जिम्मेदारी और मेहनत के साथ आगे बढ़ाने का काम करूँगा मुझे पूरी उम्मीद है की इसमें मुझे सभी का पूरा सहयोग मिलेगा । इस दस्तारबंदी की निजामत मौलाना हजरत जहीर साहब ने किया । इस दस्तारबंदी में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद डॉ0 राजेश मिश्रा शामिल होकर गंगाजमुनी तहजीब की मिसाल पेस की` इस मौके पर शामिल लोगो में बारहो के सरदार हाशिम साहब ,चौतिशो के सरदार हैदर महतो ,पांचो के सरदार अतिकुल्ला अंसारी अपने अपने काबीना के साथ शामिल हुए साथ में मौजूद मौलाना हारुन नक्शबंदी , मौलाना नुरुल हसन , हाजी बाबू , हाजी नसीर , हाजी यासीन माइको , मौलाना सकील अहमद , अनवार अहमद, जाबिर सिद्दीकी , हाजी सोहैल ,अफरोज अंसारी, पार्षद हाजी ओकास अंसारी , पार्षद गुलशन अली , पार्षद बेलाल अंसारी , पार्षद रमजान अली , पार्षद साजिद अंसारी , पार्षद अफजाल अंसारी ,पूर्व विधायक हाजी अब्दुल समद अंसारी ,बाबूलाल किंग , केसव जालान ,हाजी मुमताज , यासीन अंसारी , अशफाक अहमद डब्लू , हाजी अनवार , हाजी मुगल , हाजी महबूब , हाजी मो0 स्वालेह , आरिफ , मनोज राय, धूपचंडी , किश्मिस गुरु , डॉ0 अशोक सिंह , हाजी सफीउर्रहमान , हाजी अमिनुद्दीन , सरदार गुलाम नबी , हाजी मोईनुद्दीन , हाजी रहीम ,मो0 हारून , हाजी छोटक ,सरदार नसीर , हाजी मतिउल्लाह सहित सैकड़ो की तादाद में अवाम मौजूद थी।

बिनौला खल बाजार में मिलावटी माल की शिकायत

मिल कर कार्रवाई करेगा उद्यमी संघ

नई दिल्ली। खाद्य तेल-मिल उद्यमियों के एक संघ ने पश्चिमोत्तर भारत के बाजारों में नकली बिनौला खल के कारोबार की शिकायत की है और कहा है कि से इससे क्षेत्र के उद्यमी परेशान हैं। उनका कहना है कि नकली बिनौला खल से पशुओं के स्वास्थ्य पर भी खतरा है।तेल एवं खल उद्योग के मुताबिक नकली बिनौला खल का करोबार 3000 रुपए प्रति क्विंटल पर किया जा रहा है जबकि असली खल की लागत 3600 से 3800 रुपए प्रति क्विंटल तक पड़ती है। कैथल ऑयल मिल्स एसोसिएशन की बीते दिनों एक बैठक में नकली खल कारोबार को रोकने के लिए सभी तेल मिल मालिकों ने इसे रोकने का संकल्प लिया। एसोसिएशन ने पत्र जारी करके कहा है कि पिछले कुछ सालों से यह नकली कारोबार लगाता चल रहा है।

दुग्ध किसान प्रभावित

नकली खल की वजह से दुग्ध किसान प्रभावित हो रहा है। कपास किसान भी इससे प्रभावित हैं। संघ ने आठ सदस्यों की समिति बनाकर नकली बिनौला खल बनाने वाली मिलों की जांच और उनपर जुर्माना लगाने का अधिकार दिया है। संघ के प्रधान शिव नारायण गोयल ने पत्र में कहा है कि किसी भी तेल खल मिल में आपात्तिजनक सामग्री पाये जाने पर मामला दर्ज किया जाएगा और मिल पर सामाजिक एवं व्यापारिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। उनका कहना है कि गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा और पंजाब सहित पश्चिमोत्तर राज्यों में यह समस्या ज्यादा है।

मारुति इस साल 5000 करोड़ रुपए निवेश करेगी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया चालू वित्त वर्ष में करीब 5000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी यह राशि मुख्य रूप से नए उत्पाद पेश करने और अन्य पहल पर खर्च करेगी। कंपनी ने 2021-22 में करीब 4500 करोड़ रुपए का निवेश किया था। मारुति का मानना है कि इसकी मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्प के गुजरात में निवेश से उसे देश में अपने बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों की श्रृंखला का विस्तार करने में मदद मिलेगी। मारुति के सीएफओ अजय सेठ ने विश्लेषक कॉल में कहा कि चालू वित्त वर्ष में हमने विभिन्न परियोजनाओं पर 5000 करोड़ रुपए खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई है। हम कुछ नए मॉडल उतारने की भी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी इस निवेश का प्रबंधन अपने आंतरिक संसाधनों से करेगी। मारुति की गुजरात में स्थानीय स्तर पर बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों और इनकी बैटरियों के विनिर्माण पर निवेश करने की योजना के बारे में पूछे जाने पर सेठ ने कहा, इस निवेश से इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण का स्थानीयकरण करने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे देश में कंपनी के बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार भी हो सकेगा। कंपनी की योजना अपना पहला बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन 2025 में लाने की है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	13	10	3	20
राजस्थान	13	8	5	16
लखनऊ	13	8	5	16
बेंगलोर	13	7	6	14
दिल्ली	12	6	6	12
कोलकाता	13	6	7	12
पंजाब	12	5	7	10
हैदराबाद	11	5	6	10
चेन्नई	13	4	9	8
मुंबई	12	3	9	6

ऑरेंज कैप

जोस बटलर
627 रन
राजस्थान रॉयल्स

पर्पल कैप

यजुवेंद्र चहल
24 विकेट
राजस्थान रॉयल्स

खबर संक्षेप

बैठकों में हिस्सा नहीं लेता आईओएः मार्टिन

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) की अध्यक्ष लुईस मार्टिन ने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अंतरराष्ट्रीय खेल संस्था की क्षेत्रीय बैठकों में हिस्सा नहीं ले रहा जहां वह राष्ट्रमंडल खेलों में कुछ खेलों को शामिल नहीं किये जाने का मुद्दा उठा सकता था। आईओए ने हालांकि कहा कि इन बैठकों में हिस्सा लेना मुश्किल है क्योंकि भारत की निशानेबाजी, कुश्ती और तीरंदाजी को राष्ट्रमंडल खेलों के कार्यक्रम से हटाए जाने संबंधित शिकायतों के मामले उनके एजेंडे में ही नहीं हैं।

फ्रेंच ओपन में नहीं खेलेंगे माटियो बेरेटिनी

पेरिस। दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी माटियो बेरेटिनी दाएं हाथ की सर्जरी से पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण आगामी फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं।

शनिवार को हालांकि उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा कि उन्होंने अच्छी प्रगति की है लेकिन अभी वापसी के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। बेरेटिनी ने लिखा, 'मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं और मैच फिटनेस हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मैंने और मेरी टीम ने फैसला किया है कि रोलां गैरो पर सीधे पांच सेट के मुकाबलों के लिए उतरना समझदारी भरा नहीं होगा इसलिए मैं अपनी वापसी को टालता हूं और ग्रास कोर्ट पर पूर्ण सत्र में हिस्सा लूंगा।'

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ को अस्पताल से मिली छुट्टी

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को टाइफाइड के उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। दिल्ली कैपिटल्स ने

रविवार को यह जानकारी दी। बाइस साल के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी को इस महीने की शुरुआत में तेज बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दिल्ली कैपिटल्स ने बयान में कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जहां उनका टाइफाइड का उपचार किया गया।'

चेन्नई सुपर किंग्स की 9वीं हार, सात विकेट से गंवाया मैच

साहा का अर्धशतक, गुजरात ने शीर्ष दो में पक्की की जगह

एजेंसी ▸▸ मुंबई

गुजरात टाइटन्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल मैच में सात विकेट से हराकर शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित की। अपने पहले ही आईपीएल में कप्तान हार्दिक पंड्या की गुजरात टाइटन्स ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले ही प्लेऑफ में स्थान पक्का कर चुकी गुजरात टाइटन्स 13 मैचों में 20 अंक से शीर्ष पर पहुंच गई है जिसका मतलब है कि टीम को फाइनल में जगह बनाने का एक अतिरिक्त मौका मिलेगा।

▪ गुजरात टाइटन्स 13 मैचों में 20 अंक लेकर शीर्ष पर

चेन्नई सुपर किंग्स ने सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड (53 रन) के अर्धशतक और एन जगदीशन के नाबाद 39 रन की मदद से पांच विकेट पर 133 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटन्स को साहा (67 रन) ने जीत की ओर अग्रसर किया जिससे टीम ने पांच गेंद रहते तीन विकेट पर 137 रन बनाकर जीत हासिल की। मैथ्यू वेड ने 20 रन, शुभमन गिल ने 18 रन और डेविड मिलर ने नाबाद 15 रन का योगदान दिया।

एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स जड़ने का बना रिकॉर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटन्स के बीच खेले गए मुकाबले में इतिहास रचा गया। इस मैच की पहली पारी में जब सिक्स लगाए तब आईपीएल के किसी भी एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड बन गया। यह मुकाबला इस सीजन का 62वां मैच था। अभी तक आईपीएल 2022 में 873 छक्के जड़े गए हैं। जो किसी भी एक सीजन में लगे सबसे ज्यादा सिक्स का एक रिकॉर्ड है। इससे पहले यह रिकॉर्ड आईपीएल 2018 में था, जब पूरे सीजन में कुल 872 छक्के लगे थे। आपको बता दें कि आईपीएल 2022 में टीमों की संख्या भी ज्यादा हुई है, इस बार आठ की बजाय दस टीमें खेल रही हैं। ऐसे में कुल मैच भी बढ़ गए हैं, यही कारण है कि छक्कों की संख्या भी बढ़ गई है।

किस सीजन में लगे कितने छक्के

सत्र	छक्के	कुल मैच
2022	873	62वां
2018	872	60
2019	784	60
2020	734	60
2012	734	75

शमी ने किए दो शिकार

गुजरात के गेंदबाजों में सबसे शानदार प्रदर्शन मोहम्मद शमी ने किया। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन खर्च करते हुए दो विकेट लिए। डेवॉन कॉनवे (5) और महेंद्र सिंह धोनी (7) शमी का शिकार बने। शमी ने पारी के आखिरी ओवर में सिर्फ 6 रन दिए।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स :	रन	गेंद	4	6
गायकवाड़ का वेड बो साईं	53	49	4	1
कोनवे का साहा बो शमी	05	09	0	0
अली का राशिद बो किशोर	21	17	0	2
एन जगदीशन नाबाद	39	33	3	1
दुबे का साहा बो जोसफ	00	02	0	0
धोनी का दयाल बो शमी	07	10	0	0
मिशेल सैंटनर नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 133/5
गेंदबाजी : शमी 4-0-19-2, हार्दिक 2-0-8-0, दयाल 3-0-27-0, राशिद 4-0-31-1, जोसफ 3-0-15-1, किशोर 4-0-31-1.

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
ऋद्धिमान साहा नाबाद	67	57	8	1
गिल पगबाधा बो पाथिराना	18	17	3	0
वेड का दुबे बो मोईन अली	20	15	2	0
हार्दिक का दुबे बो पाथिराना	07	06	1	0
डेविड मिलर नाबाद	15	20	1	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 19.1 ओवर में 137/3
गेंदबाजी : चौधरी 3-0-28-0, सिमरनजीत 3-0-26-0, सैंटनर 4-0-24-0, सोलंकी 4-0-18-0, पाथिराना 3.1-0-24-2, अली 2-0-11-1.

राजस्थान जीता, दूसरे स्थान पर, प्लेऑफ में जगह पक्की

एजेंसी ▸▸ मुंबई

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (41) के साथ कप्तान संजू सैमसन (32) और देवदत्त पडिक्कल (39) की उपयोगी पारियों से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को 24 रन से हरा दिया। आरआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 178 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम आठ विकेट के नुकसान पर 154 रन ही बना सकी। जायसवाल ने 29 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्का लगाने के साथ दूसरे विकेट लिए सैमसन के साथ 64 रन की अहम साझेदारी की। सैमसन ने 24 गेंद की पारी में छह चौके लगाए। पडिक्कल ने 18 गेंद की आक्रामक पारी में पांच चौके और दो छक्के जड़े। आखिरी ओवरों में ट्रेंट बोल्ट (नाबाद 17) ने रविचंद्रन अश्विन (नाबाद 10) के साथ 14 गेंद में 26 रन की अटूट साझेदारी कर टीम के स्कोर को 178 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। लखनऊ के लिए रवि बिश्नोई ने दो जबकि आवेश खान, जेसन होल्डर और आयुष बडोनी ने एक-एक विकेट लिए।

लखनऊ सुपर जायंट्स को 24 रन से दी मात

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का एव बो बडोनी	41	29	6	1
जोस बटलर बो आवेश	02	06	0	0
सैमसन का हुड्डा बो होल्डर	32	24	6	0
पडिक्कल का कृणाल बो बिश्नोई	39	18	5	2
पराग का स्टोइनिस बो बिश्नोई	19	16	0	1
नीशम रन आउट (राहुल/बिश्नोई)	14	12	2	0
रविचंद्रन अश्विन नाबाद	10	07	1	0
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	17	09	2	0

अतिरिक्त : 04, कुल : 20 ओवर में 178/6
गेंदबाजी : मोहसिन 4-0-43-0, चमीरा 3-0-35-0, आवेश 3-0-20-1, होल्डर 2-0-12-1, बिश्नोई 4-0-31-2, स्टोइनिस 1-0-15-1, बडोनी 1-0-5-1, कृणाल 2-0-16-0.

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4	6
डिकॉक का नीशम बो बोल्ट	07	08	1	0
राहुल का जायसवाल बो कृष्णा	10	19	0	1
आयुष बडोनी पगबाधा बोल्ट	00	01	0	0
हुड्डा स्टं. सैमसन बो चहल	59	39	5	2
कृणाल का रियान बो अश्विन	25	23	1	1
स्टोइनिस का रियान बो कृष्णा	27	17	1	2
होल्डर का सैमसन बो मकॉय	01	02	0	0
दुष्मंता चमीरा बो मकॉय	00	02	0	0
मोहसिन खान नाबाद	09	07	1	0
आवेश खान नाबाद	01	02	0	0

अतिरिक्त : 15, कुल : 20 ओवर में 154/8
गेंदबाजी : बोल्ट 4-0-18-2, कृष्णा 4-0-32-2, चहल4-0-42-1, अश्विन 4-0-24-1, मकॉय 4-0-35-2.

जोकोविच ने जीता इटली ओपन, इगा ने खिताब के साथ बनाया जीत का रिकॉर्ड

एजेंसी ▸▸ रोम

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को इटली ओपन के फाइनल में स्टेफानोस सितसिपास को 6-0, 7-6 से हराकर छठी बार इस खिताब को जीतने के साथ फ्रेंच ओपन से पहले शानदार लय में होने का सबूत दिया।

जोकोविच ने इससे पहले सेमीफाइनल में कास्पर रूड को सीधे सेटों में हराकर इटली ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी ने रूड को 6-4, 6-3 की जीत के साथ करियर की 1000वीं जीत दर्ज की। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले जिमी कोनर्स (1,274 जीत), रोजर फेडरर (1,251), इवान लेंडल (1,068) और रफेल नडाल (1,051) के बाद सिर्फ पांचवें पुरुष खिलाड़ी हैं।

इगा ने तोड़ा सेरेना का रिकॉर्ड

इससे पहले इगा स्वियाटेक ने महिलाओं के फाइनल में ओन्स जेबुर को 6-2, 6-2 से हराकर लगातार 28वीं जीत के साथ इस खिताब का बचाव किया। उन्होंने सेरेना विलियम्स की लगातार 27 जीत का रिकॉर्ड तोड़ा। सेरेना ने 2014 और 2015 में यह उपलब्धि हासिल की थी। ओन्स जेबुर भी लगातार 11 जीत के साथ फाइनल में पहुंची थी लेकिन रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज खिलाड़ी स्वियाटेक के सामने उनकी एक नहीं चली।

प्ले-ऑफ की उम्मीद बरकरार रखने उतरेंगे दिल्ली और पंजाब

नवी मुंबई। प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में एक-दूसरे को हराकर प्ले आफ में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखने के इरादे से उतरेंगी। दोनों ही टीम मौजूदा सत्र में अब तक लगातार दो मैच नहीं जीत पाई हैं और दोनों ही टीम एक और मुकाबला हारने की स्थिति में भी नहीं हैं।

पंजाब की टीम 12 अंक के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है और उसका नेट रन रेट प्लस 0.023 है। दिल्ली की टीम के भी 12 ही अंक हैं लेकिन प्लस 0.210 के अच्छे नेट रन रेट के कारण टीम पांचवें स्थान पर है जिससे उसे दो या अधिक टीम के समान अंक होने की स्थिति में फायदा मिल सकता है।

लिवरपूल बना एफए कप चैंपियन

लंदन। लिवरपूल ने शनिवार को यहां वेम्बले स्टेडियम में चेल्सी को पेनल्टी शूट आउट में 6-5 से हराकर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। लिवरपूल की यह 2006 से एफए कप में पहली खिताबी जीत है और इसके साथ ही मैनेजर जुर्गेन क्लोप ने टीम के साथ सभी बड़े खिताब जीतने की उपलब्धि भी हासिल कर ली। इस जीत के साथ लिवरपूल की टीम सत्र में चार बड़ी ट्रॉफी जीत की दौड़ में बनी हुई है। फरवरी में लीग कप फाइनल की तरह एफए कप फाइनल का स्कोर भी 120 मिनट के निर्धारित समय के बाद 0-0 रहा जिसके बाद लिवरपूल ने एक बार फिर बाजी मारी। दोनों टीम पेनल्टी शूट आउट में 5-5 से बराबर थी जिसके बाद चेल्सी के मिडफील्डर मेसन माउंट पेनल्टी को गोल में बदलने में नाकाम रहे और कोन्सटेनटिनोस सिमिकास ने लिवरपूल की ओर से पहला गोल दागकर उसे शूट आउट में जीत दिला दी। चेल्सी लगातार तीन एफए कप फाइनल हारने वाली पहली टीम भी बन गई।

सड़क दुर्घटना में मौत के बाद दुनियाभर के उनके प्रशंसक गमगीन

क्रिकेट जगत ने एंड्रयू साइमंड्स को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

एंड्रयू साइमंड्स की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद दुनियाभर के अतीत के और वर्तमान क्रिकेटरों ने उन्हें भावुक श्रद्धांजलि दी जिसमें उनके आस्ट्रेलियाई टीम के साथी और अंतरराष्ट्रीय स्टार भी शामिल हैं जो इस खबर से स्तब्ध हैं।

आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट से लेकर तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी के अलावा भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने इस आलराउंडर को श्रद्धांजलि दी जिनकी शनिवार रात क्वींसलैंड में कार दुर्घटना में मौत हो गई। प्यार से लोग साइमंड्स को 'रॉय' कहकर बुलाते थे। वह 46 बरस के थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं।

ट्विटर पर जताया शोक

'अपने सबसे विश्वासपात्र, मजे करने वाले मित्र के बारे में सोचो जो आपके लिए कुछ भी कर सकता है। वह रॉय है। इससे काफी पीड़ा पहुंची है।'
एडम गिलक्रिस्ट

'सुबह उठते ही इतनी बुरी खबर मिली। बेहद निराश हूं। हम सभी को तुम्हारी कमी खलेगी मित्र।'
जेसन गिलेस्पी

'एंड्रयू साइमंड्स के निधन की खबर हम सभी के लिए स्तब्ध करने वाली है। मुंबई इंडियन्स में साथ समय बिताने के दौरान की काफी अच्छी यादें हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे, उनके परिवार और मित्रों के प्रति संवेदनाएं।'
सचिन तेंदुलकर

'एंड्रयू साइमंड्स के निधन की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। आप काफी जल्दी हमें छोड़कर चले गए। उनके परिवार और मित्रों के प्रति संवेदनाएं। दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना करता हूं।'
हरभजन सिंह

साइमंड्स के सम्मान में बांधी काली पट्टी

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटन्स के खिलाड़ियों ने रविवार को आईपीएल मैच में पूर्व आस्ट्रेलियाई आलराउंडर एंड्रयू साइमंड्स के सम्मान में बांह पर काली पट्टी बांधी जिनका कार दुर्घटना में निधन हो गया। साइमंड्स आईपीएल में भी खेले थे। पहले वह उस डेक्कन चार्जर्स का हिस्सा थे जो अब बंद हो चुकी है और फिर मुंबई इंडियंस की ओर से खेले थे। चार्जर्स के लिए खेलते हुए उन्होंने 2008 में शुरुआती चरण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 53 गेंद में 117 रन की नाबाद पारी खेली थी।

महिला 25 मीटर पिस्टल में भारत ने किया क्लीन स्वीप

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाजों ने जर्मनी के सुहल में चल रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में क्लीन स्वीप कर रविवार को पदक तालिका में अपना शीर्ष स्थान मजबूत कर लिया। रिदम सांगवान ने स्वर्ण, मनु भाकर ने रजत और नाम्या कपूर ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

क्वालीफिकेशन में भी तीनों भारतीय शीर्ष तीन स्थान पर थीं। फिर एलिमिनेटर में नाम्या 12 हिट से शीर्ष पर और रिदम 11 हिट से दूसरे स्थान पर रहकर पदक दौड़ में पहुंचीं। मनु दूसरे एलिमिनेटर में 17 हिट से शीर्ष पर रहीं जबकि जर्मनी की माइकेला बोसल ने शूटऑफ से फाइनल में चौथा स्थान हासिल किया। फाइनल में मनु ने शुरू में रिदम पर बढ़त बनाई हुई थी लेकिन पांचवीं सीरीज में रिदम आगे हो गईं। रिदम ने 31 हिट से पहला, मनु ने 26 हिट से दूसरा और नाम्या ने 16 हिट से तीसरा स्थान हासिल किया। शिवम डबास ने पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में इटली के डेनिलो सोलाजो से 15-17 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया।

महात्मा मेमोरियल एकेडमी में हुआ मेघावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने मचाया धमाल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बृज इन्क्लेव ,सुंदरपुर स्थित महात्मा मेमोरियल एकेडमी का वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न हुआ। जिसमे मेघावी छात्र-छात्राओं एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओ में विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुत किया।समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी, अति विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री व विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि नगर प्रमुख श्रीमती मृदुला जायसवाल अतिथि डॉ एस. गिरी अध्यक्ष-बृज इन्क्लेव एसोसिएशन ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबन्धक आत्मालाल प्रजापति ने किया। अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार पाठक ने पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना व सरस्वती वंदना से हुई जिसे दिया, वर्षा, साक्षी ने प्रस्तुत किया। अगली कड़ी में नन्हें-मुन्ने बच्चों एक से बढ़कर एक राजस्थानी, पंजाबी, गुजराती लोक नृत्य के साथ कॉमेडी, नाटक व गायन से उपस्थित लोगों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। इसके बाद अतिथियों द्वारा मेघावी छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विजयी खिलाड़ियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र,स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में प्रधानाचार्य राजेश कुमार पाठक ने विद्यालय का वार्षिक रिपोर्ट, उपलब्धियों व बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन एस. पी. सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन मनीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर श्रीमती नीतू सिंह, श्रीमती वंदना राय, धर्मेंद्र त्रिपाठी, अनन्त कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुख़्तार अंसारी के खिलाफ पूर्व विधायक अजय राय ने गाजीपुर की एमपी एमएलए, अदालत में मुख़्तार अंसारी के खिलाफ दी गवाही

प्रखर पूर्वान्चल गाजीपुर। मऊ के पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं । सोमवार को एमपी एमएलए कोर्ट में पूर्व विधायक व वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय राय, मुख्तार अंसारी के खिलाफ गवाही देने के लिए पहुंचे । गाजीपुर की एमपी एमएलए अदालत में गवाही देने हेतु वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक अजय राय सुबह छः बजे लहुराबीर स्थित अपने आवास से काफिले के साथ रवाना हुए तथा लगभग आठ बजे उन्होंने गाजीपुर की विशेष अदालत में पहुंचकर अदालती प्रक्रिया का हिस्सा बने` पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय राय 1996 के गैंगस्टर एक्ट के एक मुकदमे के मामले में पेश हुए । वहीं बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी की पेशी वर्चुअली हुई. गाजीपुर की सदर कोतवाली में 1996 में मुख्तार अंसारी के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज हुआ था । वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय राय अदालत में गवाही के बाद मीडिया से रूबरू हुए । पूर्व विधायक अजय राय ने कहा कि - आज गैंगस्टर ऐक्ट में मुख्तार अंसारी के खिलाफ उनकी गवाही थी उन्होंने कहा कि उनको माननीय न्यायालय पर पूरा भरोसा है उन्होंने कहा सत्य की विजय होगी और असत्य की पराजय । निश्चित रूप से सत्य और असत्य की इस लड़ाई

में असत्य अर्थात मुख़्तार अंसारी को सजा होगी । अजय राय ने कहा कि आज मुख़्तार अंसारी का भी बांदा जेल से वर्चुअल बयान हुआ । अदालत ने जिरह की अगली तारीख 25 मई मुकर्रर की है । पूर्व विधायक अजय राय ने कहा कि कोर्ट व भारतीय न्याय व्यवस्था पर उन्हें पूर्ण विश्वास है कोर्ट जो भी निर्णय करेगा उसे हम स्वीकार करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व ग्राम प्रधान ने बिना काम किए ही निकाल लिया पैसा

जांच अधिकारी ने जिलाधिकारी को भेजी रिपोर्ट, मामले में मुकदमा और रिकवरी की गांव में तेज हुई चर्चा

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत ब्लाक क्षेत्र के बेलहरी गांव में बिना काम कराये ही पैसे निकाल लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। त्रिस्तरीय जांच की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी गई है। मामला पिछले पंचवर्षीय योजना का है। बेलहरी गांव के रविन्द्र नाथ सिंह ने जिलाधिकारी से गांव में विकास कार्यों में भारी गोलमाल किए जाने की शिकायत की थी। शिकायत थी कि पूर्व ग्राम प्रधान ने काम कराये बिना ही पैसा निकाल लिया। रविन्द्र नाथ सिंह ने अपने शिकायत पत्र में अनेक कार्यों का नाम गिनाया है जो धरातल पर हुए ही नहीं और उसका पैसा निकल गया है। शिकायत पर जिलाधिकारी ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए केराकत ब्लाक के सहकारिता विभाग के एडीओ अशोक सिंह के नेतृत्व में आरईएस विभाग के जेई सरजू प्रसाद और बीओपीआरडी दीपक सिंह की त्रिस्तरीय कमेटी गठित कर दी। कमेटी ने अपनी जांच में शिकायत को सही पाया है और अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। जांच से पूरे गांव में खलबली मच गई है। पूर्व ग्राम प्रधान के खिलाफ मुकदमा और रिकवरी की चर्चा तेज हो गई है।

सड़क हादसे में दो घायल

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। मिजार्मुराद स्थानीय थाना क्षेत्र के कछवा रोड चौकी के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर सोमवार की दोपहर एक मोटरसाइकिल को अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद वाराणसी के मडुवाडीह थाना अंतर्गत ग्राम शिवदासपुर का कृष्ण कुमार अपनी पत्नी के संग मोटरसाइकिल पर सवार हो व्यक्तिगत कार्य से वाराणसी से प्रयागराज जा रहा था रास्ते में कछवा रोड चौकी के पास अज्ञात सफेद रंग की कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी जिससे दोनों पति-पत्नी रोड पर गिर पड़ा और पत्नी समेत खुद कृष्ण कुमार भी घायल हो गया। प्रकरण में घायल कृष्ण कुमार थाने पहुंचकर अज्ञात वाहन के खिलाफ तहरीर दिया।

साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का समापन प्रबंधक डॉ. जयशीला पांडेय द्वारा किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। बाल विद्यालय माध्यमिक स्कूल, डोमरी, वाराणसी में साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का समापन प्रबंधक डॉ. जयशीला पांडेय द्वारा किया गया। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत आर्ट एंड क्राफ्ट, ब्यूटीशियन, कुकिंग, कैरम, चेस, क्लासिकल डांस, क्रिकेट, ताइक्वांडो, स्केटिंग, हॉर्स राइडिंग, मेहंदी, बैडमिंटन, योगा एवं मेडिटेशन इत्यादि का प्रशिक्षण बच्चों को कुशल प्रशिक्षकों द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना तथा नृत्य प्रस्तुति द्वारा किया गया। प्रबंधक डॉ.जयशीला पांडेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि बच्चों ने जो प्रस्तुत किया

वह काफी सराहनीय है, उन्होंने कहा कि आचार्य सीताराम चतुर्वेदी जी का भी यही मानना था कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्रियाकलापों में भी प्रशिक्षण लेना जरूरी है ताकि भविष्य में वह हर स्थिति परिस्थिति में स्वावलंबी बने। उन्हें किसी के भी सामने हाथ न फैलाना पड़े। उप प्रबंधक श्री मुकुल पांडेय ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर बाल विद्यालय मध्यमिक स्कूल, प्रहलादघाट की प्रधानाचार्या श्रीमती स्नेहलता पांडेय भी उपस्थित रहीं। उन्होंने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। डोमरी शाखा की प्रधानाचार्या श्रीमती नीता त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन यशवर्धन जसमतिया कक्षा 7 एवं दीक्षा पटेल कक्षा 12 ने किया। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राएं, अध्यापक-अध्यापिकायें तथा बड़ी संख्या में अभिभावकों ने उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन समस्त देशवासियों को बधाई दिया - प्रकाश जायसवाल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के महामंत्री प्रकाश जायसवाल ने कहा कि आज ही के दिन बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी` भगवान बुद्ध ने देश और दुनिया को मानवता अहिंसा व सेवा का संदेश दिया भगवान बुद्ध का प्रेम एवं करुणा का संदेश और उनके द्वारा दी गई अमूल्य शिक्षाएं वर्तमान समय में और अधिक प्रासंगिक है मानवतावादी एवं विज्ञान वादी बौद्ध धम्म दर्शन के भगवान बुद्ध दुनिया के सबसे महान महापुरुष हैं।वाराणसी में सारनाथ प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थल है भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के पश्चात सर्वप्रथम उपदेश सारनाथ में ही दिया था जिसे धर्म चक्र प्रवर्तन का नाम दिया जाता है आज हम बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के समस्त साथियों की तरफ से यही कहना चाहेंगे की भगवान बुद्ध के मार्गदर्शन पर सभी जनमानस को चलकर एक सात्विक व निर्भयता भरा जीवन जीना चाहिए। आज हम सभी बुद्धिस्ट टूरिज्म से जुड़े लोगों को भगवान बुद्ध की वजह से व्यवसाय मिलता रहा है। चुकी अन्य देशों से भी भगवान बुद्ध का स्मरण करने लोग भारत आते रहते हैं। हमारे यूपी और केंद्र सरकार को बुद्धिस्ट मोन्यूमेंट की तरफ अपने ध्यान को आकर्षित करके उसकी सुविधाएं को बढ़ाना चाहिए ताकि भगवान बुद्ध के वजह से टूरिस्ट व्यवसाय करने वाले लोगों को प्रगतिशील व्यावसायिक रास्ते खुल सके और टूरिज्म के क्षेत्र में व्यवसाय कर रहे लोगों का विकास हो सके।

रसड़ा इंटर कॉलेज के नवनिर्मित महिला शौचालय का लोकार्पण पालिका का० चेयरमैन सोनी ने किया

रसड़ा (बलिया)। जनपद का सुप्रसिद्ध रसड़ा का विद्यालय अमर शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज परिसर में नवनिर्मित महिला शौचालय का लोकार्पण रसड़ा नगर पालिका परिषद रसड़ा के कार्यवाहक चेयरमैन वशिष्ट नारायण सोनी द्वारा सोंमवार को पूर्वान्हकाल दस बजे किया गया। इस अवसर पर कालेज के प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य राजकुमार राम, अध्यापक अशोक सिंह, मुजतबा हुसैन, मुहम्मद अजीम, शिक्षक नेता तेज प्रताप सिंह, अमरजीत यादव, प्रभुनाथ चौबे, सैयद असद अली, विमलेश त्रिपाठी, हाजी बबलू, प्रमोद तिवारी, मंटू अंसारी, सभासद राजकुमार गुप्ता आदि व विघालय परिवार के अनेकों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैयद मुतुर्जा हुसैन व संचालन धनश्याम शरण सिंह ने किया।

केवी डेंटल क्लीनिक का राहुल सिंह ने फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भोजुबीर स्थित सब्जी मंडी के समीप केवी डेंटल क्लीनिक का उद्घाटन राहुल सिंह के कर कमलो द्वारा संपन्न ` उद्घघाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राहुल सिंह (सचिव स्वामी अतुलानंद रचना परिषद् एंव अध्यक्ष सेवा भारतीय काशी प्रान्त), धर्मेंद्र सिंह (प्रदेश मिडिया प्रभारी), अखिलेश सिंह (साई मंदिर संरक्षक) ,डाक्टर वैभव राय ,संजय कुमार, राजीव रंजन राय (पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, युवा भारतीय जनता पार्टी), धर्मेंद्र सिंह (युगल बिहारी इंटर कॉलेज प्रबंधक), रत्नाकर राय, आनंद प्रकाश माथुर, डॉ. आर. एन. सिंह, शिव शरण पाठक (पी.एम.ओ. कार्यालय प्रभारी) विद्यासागर राय, एन.पी. सिंह (क्षेत्रीय सर्योजक) आदि समान्नित अतिथिगण उपस्थित हुए ` डाक्टर वैभव ने बताया की यहाँ पर दांतो से सम्बंधित सभी रोगो का इलाज होता है सप्ताह में एक दिन बृहस्पतिवार को निः शुल्क चिकित्सा परामर्श दिया जायेगा।

श्रीनाथ बाबा लाठी रोट पूजन 14 जून को

रसड़ा (बलिया)। तहसील क्षेत्र रसड़ा के गांव नगपुरा स्थित सिद्ध संत श्री नाथ बाबा के मंदिर पर प्राचीन परम्परा के अनुसार आगामी 14 जून को श्रीनाथ बाबा के रोट पूजन (लाठी पूजन) के भव्य कार्यक्रम की तैयारी को लेकर टीकादेवरी, नगपुरा, नफरेपुर आदि क्षेत्रीय गांवों के श्रीनाथ भक्तों की संयुक्त एक बैठक मंदिर पर सम्पन्न हुई, जिसमें पूजा में 125 कुंटल आटे ,एक कुंतल चीनी,50 किलो सौंफ का कुल मिलाकर लगभग251 किलो रोट प्रसाद बनाने व चौदह कोस लखनेश्वर के गावों के अलावा जनपद सहित अन्य जनपदों व प्रान्तों में रह रहे श्री नाथ बाबा के भक्तों को निमंत्रण भेजने जाने सहित ,मन्दिर की साफ सफाई आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

अर्दली बाजार में खुला 'स्वदेशी SHOPPY", गोबर और गो-मूत्र से उत्पादित आर्गेनिक खाद्य सामग्री का है विशाल भंडार

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र के महाबीर मंदिर रोड, अर्दली बाजार में सोमवार को स्वदेशी shaapy अतुल्य भारत-शुद्ध, प्राकृतिक एवं आर्गेनिक उत्पाद" का भव्य शुभारम्भ हुआ। इसके प्रतिष्ठाता शीतल बरनवाल, मृदुला बरनवाल ने अनौपचारिक बातचीत में मीडियाकर्मियों को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यहाँ सभी प्रकार के शुद्ध, प्राकृतिक एवं आर्गेनिक उत्पाद का विशाल संग्रह रखा गया है। आज की भागमभाग भरी जीवनशैली में लोगों को खाने- पीने का यहां तक कि शुद्ध पौष्टिक आहार नही मिल पाता है जिसके कारण बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं में असाध्य रोगों की बढ़ोतरी हो रही है। इससे छुटकारा दिलाने के लिए और लोगों को स्वस्थ रखने के लिये यह दुकान अनेको प्रकार के शुद्ध सामग्री कम दाम में

उपलब्ध कराएगा, इसी भावना से इस दुकान को खोला गया है। खास बात यह है कि यहां जो भी खाद्य सामग्री जैसे दाल,आटा,मसाला, तेल व अन्य सामान मिलेगी वह बिना किसी केमिकल,यूरिया के उत्पादित होगी सिर्फ गोबर और गो-मूत्र से ही उत्पादन किया गया खाद्य सामग्री है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी है।भव्य "स्वदेशी SHOPP -अतुल्य भारत- शुद्ध, प्राकृतिक एवं आर्गेनिक उत्पाद" स्टोर का शुभारम्भ विशिष्ट अतिथि डॉ. अच्युत प्रभु जी (इस्कान मंदिर), स्वामी कन्हैया महाराज जी (शनि उपासक) ने किया। इस अवसर पर संजीव अग्रवाल, अरविंद जैन, अनिल जायसवाल, किशोर सिंह, संदीप सिंह समेत तमाम मीडियाकर्मी, व्यवसायी, चिकित्सक, समाजसेवी एवं सभ्रांत लोग उपस्थित थे।

बुद्ध पूर्णिमा पर लाखों दर्शनार्थियों ने मां विंध्यवासिनी का किया दर्शन पूजन

प्रखर मिजार्पुर। बुद्ध पूर्णिमा पर माता विंध्यवासिनी के धाम में लाखों की तादात में दर्शन पूजन कर भक्तों ने मां विंध्यवासिनी के श्री चरणों में शीश झुकाया विभिन्न प्रान्तों से धाम में आए भक्तों ने परवाह न करते हुए दरबार में मत्था टेका पूर्णिमा तिथि पर विंध्याचल धाम में पहुंचे तमाम भक्तों ने गंगा स्नान कर माता विंध्यवासिनी के दरबार में हाजिरी लगाई । दो वर्ष बाद मिली राहत को बनाएं रखने भीड़ के चलते लोगों को कतार में घंटों लगने के बाद माता के दरबार में हाजिरी लगाकर दर्शन पूजन और प्रार्थना करने का मौका मिला । हांथ में नारियल, चुनरी फूल माला, प्रसाद और कलावा लेकर डटे भक्तो ने जयकारा लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराया । माता के धाम में पहुंचें भक्त लक्ष्मी स्वरूपा माता विंध्याचल रानी का एक झलक पाकर मन्त्र मुग्ध रहे । माता के दर पर हाजिरी लगाने के बाद भक्तो को यह विश्वास है कि माँ की कृपा से सब कुशल मंगल होगा । मंदिर पर उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के जवान मुस्तैद रहें । तमाम भक्तों ने झांकी से ही माता विंध्यवासिनी के दरबार में हाजिरी लगाया । बुद्ध पूर्णिमा के साथ ही विशेष शुभ योग में दर्शन पूजन अर्चन भक्तों के लिए परम कल्याणकारी है।

लक्ष्मी स्वरूपा माता विंध्यवासिनी का पूजन अर्चन कर मन्नत मांगी। विश्व को प्रिय और विश्व को अपने मन के अनुकूल करने वाली माता लक्ष्मी के दरबार में पहुंचे भक्तों ने 43डिग्री तापमान की परवाह न करते हुए दरबार में मत्था टेका पूर्णिमा तिथि की कामना की गई । पूर्णिमा तिथि पर कई शुभफल दायक योग बनने से भक्तों की संख्या में भी वृद्धि हुई हैं। चिलचिलाती धूप की परवाह किए बिना भक्त माता विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए बेताब रहे । भारी

टूटे झूलते बिजली पोल तार से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

रसड़ा (बलिया)। स्थानीय रसड़ा नगर के अत्यंत व्यस्त रहने वाले मिशन रोड स्थित पशु अस्पताल के गेट के पास विद्युत विभाग का सीमेंटेड खम्भा चार वर्षों से बीच से ही इस कदर टूट गया है कि वह मामूली झटके या धक्के से भी तार सहित सड़क पर गिर सकता है। इसके गिरने से कितनी बड़ी दुर्घटना हो जाएगी और कितने लोग काल के गाल में समा जायेगे कुछ कहा नहीं जा सकता है । इस सड़क पर स्कूली वाहनों,अन्य वाहनों के साथ साथ अनगिनत सैकड़ो, हजारों राहगीरों का हर समय आना जाना लगा रहता है। बताते चलें कि पिछले दिनों यह क्षतिग्रस्त खम्भा किसी वाहन के धक्के से टूट कर लटक गया था। घटना के दिन कुछ देर के लिए आवागमन बाधित हो गया था। तब विद्युत विभाग के लोग आकर खंभे को एक रस्से से एक कॉम्प्लेक्स के खंभे से बांध कर छोड़ दिया। और तभी से इस एरिया के लोग काफी भयाक्रांत है। विदित हो कि इसी खम्भे पर दर्जनों कनेक्शन के तार भी झूले हैं।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से साइकिल सवार युवक की दर्दनाक मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने लखनऊ बलिया राजमार्ग को किया जाम

प्रखर शाहगंज(जौनपुर)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के बड़ागांव में लखनऊ बलिया राजमार्ग पर तेज रफ़्तार कार की चपेट में आने से साइकिल सवार युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के बड़ागांव निवासी सनी पुत्र किशन उम्र 16 वर्षीय बड़ागांव चौराहे से अपने घर जा रहा था जैसे ही बाबूपुरा खजुरी मोड़ पर पहुंचा तभी अचानक शाहगंज की तरफ से तेज रफ्तार स्विफ्ट कार की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय ग्रामीणों ने आनन-फानन में उसे शाहगंज निजी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया जिसके बाद ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर लखनऊ बलिया मार्ग को जाम कर दिया सूचना पाकर मौके पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार आर्य ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम हटाया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मर्चरी हाउस भेजकर कार को हिरासत में ले लिया अंधेरे का फायदा उठाकर कार चालक मौके से भागने में सफल हो गया।

45 वर्षो बाद भी नहीं पहुंच पाया सोनपुर में सिंचाई के लिए पानी

सिंचाई के लिए बनाई गई नगर को पाटकर क्रेशर संचालकों ने बनाया सड़क, आखिर इस पर कब चलेगा बुलडोजर

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। क्षेत्र का एकमात्र ऐसा गांव जहां भारतीय किसान यूनियन के बड़े-बड़े नेता रहते हैं लेकिन गांव में 45 वर्षों बाद भी सिंचाई के लिए पानी नहीं पहुंच पाया है ।आज भी गांव की खेती भगवान भरोसे है । अहरौरा जमुई रोड के किनारे अहरौरा से पांच किलोमीटर पश्चिम स्थित सोनपुर गांव सिंचाई के लिए आज भी भगवान के भरोसे है । गांव में सिंचाई के लिए 1975 में शुरू की गई सोनपुर माइनर का कार्य 47 वर्षों बाद भी पूरा नहीं हो पाया है। नहर की अधिकांश भाग को पाटकर क्रेशर संचालकों ने सड़क बना ली है। और उसका प्रयोग क्रेशर प्लांट से निकलने वाले उप खनिज को ले जाने के लिए कर रहे हैं । वही गांव के लोग सवाल उठा रहे हैं कि इस नहर पर कब बाबा का बुलडोजर चलेगा और नहर अतिक्रमण से मुक्त होगी

सोनपुर गांव की खेतों को सिंचित बनाने के लिए पूर्व सिंचाई मंत्री लोकपति त्रिपाठी ने 1975 में सोनपुर माइनर बनाने की नींव रखी थी और उस समय कल्पना की गई थी की अहरौरा बांध से निकलने वाली बैरमपुर माइनर से शेखवा गांव के पास से लिंक कर निकाली गई सोनपुर माइनर में पानी पहुंचेगा और सोनपुर गांव सिंचाई की दृष्टि से आबाद हो जाएगा । लेकिन यह कौन जानता था कि यह कल्पना कोरी साबित होगी और सोनपुर गांव सिंचाई के लिए सदैव तरसता रहेगा । भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव सिद्धनाथ सिंह सोनपुर गांव के ही निवासी हैं जो पिछले कई वर्षों से भारतीय किसान यूनियन की राजनीति कर रहे हैं ? और भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्ष के पद को सुशोभित कर चुके हैं लेकिन उन्होंने अपने गांव की सिंचाई व्यवस्था के लिए कोई ठोस पहल आज तक नहीं करवा सके। सोनपुर गांव की सिंचाई के लिए बनाए जाने वाले सोनपुर माइनर के नहर के अधिकांश भाग पर अवैध अतिक्रमण कताओं का बोलबाला है। और क्रेशर संचालकों एवं कटर संचालकों ने पूरी नहर को जेसीबी से काटकर रास्ता बना ली है जिससे अब नहर का नामोनिशान भी मिट गया है।

इस संबंध में ग्रामीण कई बार सिंचाई विभाग के अधिकारियों के यहां गुहार लगा चुके हैं लेकिन सिंचाई विभाग के अधिकारियों के पास फुर्सत नहीं है कि वह अपनी नहर की बेशकीमती जमीन को बचाने के लिए कुछ कर सके। भारतीय जनता पार्टी के इस सरकार में लोगों को मुख्यमंत्री से बहुत अपेक्षाएं हैं और लोगों ने उत्तर प्रदेश के मुखिया से गुहार लगाई है की नहर पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भी बुलडोजर चलाकर नहर को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए और सोनपुर माइनर में सिंचाई के लिए पानी आने की व्यवस्था कराई जाए। सोनपुर गांव निवासी भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव सिद्धनाथ सिंह का कहना है कि सोनपुर माइनर का निर्माण करोड़ों रुपए की लागत से लगभग 45 वर्षों पूर्व शुरू कराया गया था लेकिन शेखवा गांव के सामने से लेकर सोनपुर तक नहर पर काफी पटाव होने के कारण उस समय सफलता नहीं मिल पाई थी । उनका कहना है कि अगर पक्की लाइनिंग बनाकर इस नहर को बनाया जाए तो सोनपुर गांव सिंचाई के लिए आवाद हो जाएगा । वहीं सिंचाई विभाग के जेई नरसिंह मौर्या से इस संबंध में बात करने की कोशिश की गई तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया वहीं सिंचाई खंड चुनार के एसडीओ ने बताया कि अतिक्रमण कताओं के विरुद्ध नोटिस जारी की जाएगी।

महोदधिअन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज निष्क्रीडित व्रत के तीन सौ दिन हुए पूरे

प्रखर दिल्ली। निःश्रेयस अनन्त ऊजार्वान, लाखों-करोड़ो आत्माओं की चेतना को परमात्मा बनाने वाली, सर्व मनोरथों को पूर्ण करने वाली सिद्धों की भूमि तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्वत पर पारसनाथ भगवान के बाद 557 दिन की सिंह निष्क्रीडित व्रत की अखण्ड मौन साधना करने वाले, साधना महोदधि, उभय मासोपवासी, तप शिरोमणि अन्तर्मना आचार्य 108 श्री प्रसन्न सागर जी महाराज अपने *सिंह निष्क्रीडित व्रत के तीन सौ दिन (300) पूर्णहोने पर वैशाख पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 41 महिनों से बन्द सम्मेदाचल जिनालयके भव्य द्वार उद्घाटन एवं जिनाभिषेक जिनेन्द्र महाअर्चना महोत्सव सुबह 7-30 बजे से.....मधुबन में विराजमान सभी साधु सन्तों और साध्वीयों के संघ व समाज के सान्निध्य में......समस्त यात्रियों और दर्शनार्थियों को दर्शन, पूजन व अभिषेक करने का दे रहे सौभाग्य का अवसर।

इस शुभ संयोग पर मंदिर कर्मचारियों की ओर से द्वारिका रेजवार जी ने सकल संघ से सविनय निवेदन करते हुए कहा कि हम सभी लोग बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर में साधना महोदधि अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज 557 दिन की उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीडित व्रत की कठोर तप, अखण्ड मौन साधना कर रहे हैं। हम सभी मधुबन वासी अन्तर्मना आचार्य की दुर्धर तप साधना को देखकर अति प्रभावित हैं। ऐसी कठिन तप साधना मधुबन वासियों ने पहली बार देखी है। आज अंतर्मना गुरुदेव के महान तप, साधना के बुध पूर्णिमा को 300 दिन पूर्ण हो रहे हैं।ज्ञात हो कि अक्षय तृतीया पर अन्तर्मना आचार्य श्री ने अपनी साधना का सबसे बड़ा 16 उपवास के व्रत की महा पारणा पर 40 महिनों से बन्द चौपड़ा कुण्ड के द्वार खुलवाकर जैन समाज को दिया और आज 41 महीनों बाद सम्मेदाचल मंदिर का उपहार दिया। हम सभी कर्मचारियों ने 41 महीने से बंद सम्मेदाचल मंदिर के द्वार खोलने का निर्णय लिया। मधुबन के सभी साधु और साध्वीयों से निवेदन किया -- आप सभी सकल संघ सहित सम्मेदाचल मन्दिर पधारें और भगवान जिनेन्द्र का अभिषेक जिनेन्द्र महाअर्चना करके हम सभी लोगों को सुख, शान्ति, समृद्धि, प्रेम, मैत्री, सदभाव से जीने का आशीर्वाद प्रदान करें। यही अंतर्मना गुरुदेव की 300 दिन की साधना पूर्ण होने पर हम सब मधुबन वासियों की भावांञ्जली-विनयांञ्जली होगी। द्वारिका प्रसाद जी ने सभा को सम्बोधित करते हुये कहा - अन्तर्मना आचार्य श्री के आशीर्वाद, प्रेम, वात्सल्य, प्रेरणा से ही यह कार्य सम्भव हो पाया अन्यथा यह सब ऐसा ही था जैसे कुत्ते की पूछ को सीधा करना। हम सभी मधुबन वासियों का अन्तर्मना आचार्य श्री के प्रति सेवा-भक्ति समर्पण अक्षय और अनन्त है। लेकिन यह भी सत्य है कि संस्था के प्रति हमारा असहयोग आंदोलन और मांगे पूर्ववत व यथावत रहेगी। **संकलन-सुरेश पांड्या दिल्ली**

सड़क से नीचे उतरी अनियंत्रित स्कॉर्पियो तीन यात्री घायल

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम जसुलीपार के पास सोमवार अपराहन 3:00 बजे तेज रफ्तार आ रही एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में उतर गई और पेड़ से जा टकराई। उसमें बैठे 3 लोग घायल हो गए हैं, जिसमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। संत कबीर नगर जनपद के बखिरा थाना क्षेत्र के ग्राम बेलहर निवासी बुद्धिराम तथा उनके रिश्तेदार अंबिका और पवन घायल हुए हैं। सभी को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठरार्पार में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर बुद्धि राम और अंबिका की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय गोरखपुर रेफर कर दिया है। यह सभी लोग रिश्तेदारी में गए हुए थे,घर वापस आते समय इनकी गाड़ी का स्टेरिंग खराब होने से हादसा हुआ।

उ0प्र0 प्राथमिक शिक्षक संघ आराजी लाइंस वाराणसी के पदाधिकारियों की निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ आराजी लाइन्स वाराणसी के संघ के पदाधिकारियों का निर्वाचन मांडलिक मंत्री अरविंद शुक्ल व लाल साहब यादव एवं रामदुलार यादव की देखरेख में संपन्न हुआ। श्याम नारायण सिंह अध्यक्ष, विश्वास पांडेय मंत्री,सुनील सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष व नागेन्द्र राय कोषाध्यक्ष,विवेक सिंह संयुक्त मंत्री तथा राकेश पाण्डेय, संतोष राय, राज कुमार, सुरेंद्र प्रताप, बबीता सिंह संगठन मंत्री एवं कमलेश कुमार, उमेश चन्द्र, ओमजय सिंह, ओम प्रकाश,माया राय प्रचार मंत्री व तूफानी यादव, संतोष पाण्डेय, जय सिंह,समर बहादुर यादव, तमन्ना बेगम उपाध्यक्ष तथा मुन्ना लाल एकाउंटेंट व सुशील कुमार आडीटर पद पर निर्वाचित हुए। सभी पदाधिकारियों को अरविंद सिंह "भाई जी" ने शुभकामना दी।संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु जिला मंत्री कैलाशनाथ यादव,जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सनत कुमार सिंह,दुर्गा सिंह, संजय सिंह, ज्योति भूषण त्रिपाठी,वीरेंद्र सिंह, अनूप सिंह, श्यामलाल वर्मा, राकेश पाण्डेय, उमाकांत, कल्पनाथ यादव, सुरेंद्र सिंह, सुनील सिंह एवं नीरज मिश्र आदि ने विचार व्यक्त किए। अधिवेशन सभा का संचालन अरविंद सिंह ने किया।

ब्लॉक मुहम्मदपुर के ग्राम पंचायत असीलपुर में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अमृत सरोवर निर्माण कार्य का शुभारंभ

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। ब्लॉक मुहम्मदपुर के ग्राम पंचायत असीलपुर में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अमृत सरोवर निर्माण कार्य का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख विजय कुमार विश्वकर्मा के द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शासन द्वारा ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर बनाने का मुख्य उद्देश तालाबों का सुंदरीकरण ,पशु पक्षियों को पेयजल, साथ ही साथ मनरेगा मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराना है। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी आर डी राम ने कहा कि गांव के विकास के लिए यह योजना शासन द्वारा एक अच्छी पहल है जिससे वातावरण शुद्ध होगा साथ ही साथ जल स्तर ऊंचा होगा। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि अमृत सरोवर का निर्माण कार्य प्राकृतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से ग्राम पंचायत-असीलपुर के लिए अतिमहत्वपूर्ण साबित होगा। खंड विकास अधिकारी डॉ आराधना त्रिपाठी एवं संयुक्त खंड विकास अधिकारी महेंद्र यादव ने जल सरोवर पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से ग्राम पंचायत अधिकारी पवन कुमार, तकनीकी सहायक बृजभान शर्मा, रामाश्रय यादव , विनोद यादव, डॉ राजेंद्र यादव , शिव शंकर लाल, अरविंद प्रसाद, रामअवतार स्नेही, सुनील यादव, इंद्रजीत , मास्टर लल्लन प्रसाद, लालधारी, प्रभाकर यादव, प्रधान पति राजेंद्र यादव आदि के साथ-साथ मनरेगा मजदूर व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

खजनी तहसील के लेखपाल को जान मारने की धमकी खनन पर लेखपाल ने लगाया था रोक, मुकदमा दर्ज

प्रखर गोरखपुर। जनपद के दक्षिणांचल में अवैध खनन का भूख सिर चढ़ कर बोल रहा है, जहां उत्तर प्रदेश सरकार खनन पर अंकुश लगाने के लिए तमाम प्रयास कर रही है, वही खजनी तहसील के एक खनन माफिया का भड़क बोली बोल खूब वायरल हुआ। जिसमे खजनी क्षेत्र के लेखपाल को माँ बहन सहित अबशब्दो का बौछार लगा दिया। फोनिक धमकियों से परेशान लेखपाल उरुआ थाना में आज संगठन को लेकर पहुंचा। जहां ऑडियो रिकार्ड के आधर से पीड़ित लेखपाल के तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही कर रही है। मामला गोरखपुर जनपद के खजनी तहसील के उरुआ थाना क्षेत्र का है, जहां लेखपाल अमन अग्रहरि का सहुआपार व कुरमौल में ग्राम सभा में पोस्टिंग है , सहुआखोर में आराजी नम्बर 44 में 10,182 हेक्टेयर सरकारी अभिलेख में जंगल की जमीन दर्ज है, आरोप है सहुआखोर निवासी सन्तोष दुबे पुत्र प्रसिद्ध दुबे द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। जिसको लेकर सम्बन्धित लेखपाल द्वारा रोके जाने पर। आरोपी द्वारा फोन पर अश्लील शब्दोवक प्रयोग कर जान मारने की धमकी दी गयी और नौकरी पर न करने देने का चेतावनी मिली। जिससे लेखपाल संघ का में आक्रोश हुआ। उरुआ थाना में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया गया। उरुआ थाना पर समस्त लेखपाल संघ पहुंचा, अपनी बात रखी मौके पर अश्वनी सिंह (अध्यक्ष) गगन अभिजीत रवि दुष्यंत, सुमित श्रीवास्तव विश्वजीत पीड़ित अमन अग्रहरि आदि लोग मौजूद रहे।

विंध्याचल दर्शन पूजन कर वापस लौटते समय ट्रक के टक्कर से बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल

प्रखर मिजार्पुर। कटरा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आज सोमवार को सुबह लगभग साढ़े नौ बजे ट्रक के धक्के से बाइक सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आज सोमवार सुबह लगभग साढ़े नौ बजे पुलिस चौकी शास्त्री ब्रिज अन्तर्गत लोहिया तालाब के पास ट्रक वाहन संख्याः वढ 65 इळ 7079 से मोटरसाइकिल वढ 66 छ 8410 सवार लगभग चालीस वर्षीय माला देवी पत्नी काली प्रसाद निवासी पुरानी बाजार ज्ञानपुर थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही,जो अपने पति के साथ बाइक से विन्ध्वासिनी दरबार में हाजिरी लगाने के पश्चात वापस लौटते समय ट्रक से दुर्घटना हो गईं, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई । उक्त सूचना पर प्रभारी यातायात व चौकी शास्त्री ब्रिज पुलिस द्वारा गंभीर रूप से घायल महिला उपरोक्त को इलाज हेतुवाद जनपदीय चिकित्सालय भिजवाया गया तथा ट्रक को कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की गई।

भाकियू (भानु) के राष्ट्रीय अध्यक्ष का वाराणसी में जोरदार स्वागत

भाकियू (भानु) के खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय विक्रम सिंह के नेतृत्व में हुआ स्वागत समारोह

प्रखर वाराणसी। काशी में प्रथम आगमन पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह का अजय विक्रम सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष खेलकूद प्रकोष्ठ के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। अजय विक्रम सिंह के टीम के द्वारा ठाकुर भानु प्रताप सिंह का स्वागत किया गया स्वागत की कड़ी में मिजार्पुर मंडल की टीम बनारस मंडल की टीम और आजमगढ़ मंडल की टीम मौजूद रहे स्वागत की कड़ी में मिजार्पुर मंडल अध्यक्ष बच्चा सिंह की टीम के द्वारा स्मृति चिन्ह देकर के ठाकुर भानु प्रताप सिंह का स्वागत किया गया और स्वागत की कड़ी में बनारस मंडल और आजमगढ़ मंडल के तमाम पदाधिकारी ने माल्यार्पण करके और स्मृति चिन्ह देकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया भारतीय यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने किसानों की समस्याओं को सरकार के सामने उठाने का प्रतिज्ञा लिया और उन्होंने कहा कि किसानों को यदि कोई समस्या होगी तो उसके लिए मुझे योगी और मोदी से भी लड़ना पड़ेगा तो मैं लड़के उनकी मांगों को पूरा करवा लूंगा और लास्ट में उन्होंने उपस्थित जितने भी सदस्य गण थे सब का आभार व्यक्त किया और सारे लोगों को आशीर्वाद दिया लास्ट में अजय विक्रम सिंह के द्वारा सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया गया इस उपलक्ष में स्टेज पर माइक संभाले हुए एसएस तिवारी जी ने अपनी भूमिका निभाई और प्रयागराज से ठाकुर विनय सिंह के द्वारा संबोधन में यह बताया गया कि अगर जो किसानों को कोई समस्या हो रही है तो अगर किसी कारण बस ठाकुर भानु प्रताप सिंह का फोन ना लगे तो आप लोग हमसे भी संपर्क कर सकते हैं वहां पर उपस्थित सभा में तमाम सदस्यों ने उनके भाषण को सुनकर के उनका अभिवादन किया।

डेफ ओलंपिक बैडमिंटन मे गोल्ड मेडल आदित्या का नगर आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

प्रखर पूर्वांचल गोरखपुर न्यूज। डेफ ओलंपिक में भारत की तरफ से गोरखपुर शहर के निवासी 12 वर्षीय आदित्या यादव पुत्री दिग्विजय यादव ने बैडमिंटन के फाइनल में जापान को 3-1 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया और भारत का नाम डेफ ओलंपिक में गोल्ड जीतकर गौरवान्वित कर दिया।

गोल्डन गर्ल आदित्य यादव के प्रथम नगर आगमन पर धरा धाम इंटरनेशनल परिवार के सदस्यों ने धरा धाम प्रमुख सौहार्द शिरोमणि डॉक्टर सौरभ पांडेय के नेतृत्व में गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर आदित्य यादव का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। साथ ही साथ सौहार्द शिरोमणि डॉक्टर सौरभ पांडेय ने कहा कि आदित्य यादव युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। साथ ही साथ श्री विक्रम चंद मुख बधिर विद्यालय के परामर्शदाता डॉक्टर एहसान अहमद ने कहां की आदित्य विद्यालय की सबसे होनहार छात्रों में से एक हैं और इनका स्वर्ण जीतना विद्यालय परिवार के लिए गौरव की बात है। विद्यालय के प्रबंधक डॉ .अमृत लाल सक्सेना ने समस्त गोरखपुर वासियों को बधाई दी एवं कहा कि श्री विक्रम चंद मुक बधिर विद्यालय सदैव ऐसे बच्चों को संरक्षण प्रदान करता है। जो मूक-बधिर हैं और जिनको संरक्षण की आवश्यकता है। इस अवसर पर गोरखपुर शहर के युवा साहित्यकार समाजसेवी शायर ई. मिन्नत गोरखपुरी ने बुद्ध पूर्णिमा के पूर्व संध्या पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा उन्हें भेंट की और नगर आगमन पर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर भारतीय अपना समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सूर्यवंशी ने भी आशीर्वाद और दुआओं से आदित्या यादव का नवाजा आराध्या के पिता एवं कोच दिग्विजय यादव को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दिया। इस अवसर पर धरा धाम परिवार की तरफ से आसिया सिद्दीकी, हाफिज मोहम्मद रिफातुल्लाह, श्रीधर मणि पांडेय, सम्राट परमेश्वर सिंह, गुरु बाबा, हाजी जलालुद्दीन कादरी आदि सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत धानापुर क्षेत्र के बड़ौरा,बमनौली, प्रहलादपुर में A.F.C संस्था का आयोजन

प्रखर चंदौली। जिले के धानापुर क्षेत्र में दिया, बड़ौरा, बमनौली, प्रहलादपुर के में A.F.C संस्था हुआ आयोजन। लेकान संस्था के द्वारा किसानो का वेरीफिकेशन किया जा रहा है,जो कि जैविक खेती के कार्यक्रम के अन्तर्गत जैविक खेती के कलस्टर बनाये गये थे। जिसमें किसानों के द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यह जैविक खेती कार्यक्रम पिछले 2 सालों से चल रहा है किसानों के द्वारा यह बताया गया कि जैविक खेती से असंतुष्ट हैं वह अपने परिवार के स्वास्थ्य व खेतों का स्वास्थ्य भी सुधार हो रहा है जिससे किसानों के द्वारा यह माना जा रहा है कि आगे आने वाले समय में हमारा गाँव पूर्ण रूप से जैविक उत्पाद गांव के रूप से जाना जाएगा। धानापुर में एक जैविक एफपीओ का गठन किया गया है जिसके माध्यम से सभी जैविक उत्पाद लंका खरीदी हुआ बिक्री किया जाएगा।सभी जैविक खेती से जुड़े किसानों का कहना है कि जैविक उत्पाद अभी लोकल स्तर पर ही बिक्री किया जा रहा है आगे एफपीओ के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर बिक्री करने के लिए तैयार है जिसमें निरीक्षक करने वाले अधिकारी शरद यादव अंजनी कुमार सिंह रितेश यादव हरिओम तिवारी ए एफ सी सी आई लेकिन क्वालिटी सर्टिफिकेशन प्राईवेट लिमिटेड केरला लायकान एग्रीकल्चर फाइनेंस कॉरपोरेशन पूर्व मर्यादित वित्त निगम भारत सरकार एफसी कृषि रहे उपस्थित।

संक्षिप्त खबरें

एलबीएस कॉलेजः यहां बैलेट पेपर से नहीं ओएमआर सीट से होंगे छात्र संघ चुनाव

प्रखर चंदौली। जिले के मुगलसराय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में इस बार बैलेट पेपर की बजाय ओएमआर सीट पर मतदान होगा। बताते चलें कि मतदान के दौरान महाविद्यालय की ओर से प्रत्येक मतदाताओं को एक ओएमआर शीट दि जाएंगी इस सीट पर चुनाव के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, पुस्तकालय मंत्री, कला संकाय प्रत्याशियों के नाम अंकित होंगे, प्रत्याशियों के नाम के आगे खाली गोला बना होगा प्रत्याशियों के नाम के आगे गोले को पेन से भरना होगा। महाविद्यालय की ओर से स्कैनर मंगवाये गये है। मतगणना के लिए ओएमआर शीट को स्केनर में डाल दिया जाएगा। ओएमआर की स्कैनिंग चंद सेकेंड में ही पूरी हो जाएगी। इस बार मतदान के लिए महाविद्यालय की ओर से नई व्यवस्था लागू की गई है।

केबल जलने से ठप हुई आपूर्ति, बेहाल दिखे लोग

प्रखर पिंडरा वाराणसी। आधी रात को केबल जलने से पिंडरा के दर्जनो गांव अंधेरे में हो गए और लोग चिपचिपाती गर्मी में रात भर करवटें बदलते रहे । वही बिजली विभाग की सक्रियता दिखाते हुए 3 घण्टे में ही फाल्ट ढूढ़ने के साथ ठीक कर दिया। पहली बार ग्रामीण क्षेत्रों में रात में फाल्ट ठीक होने पर ग्रामीणों में राहत दिखी। बताते चलें कि रविवार की रात्रि साढ़े 11 बजे अचानक पिंडरा स्थित विद्युत उपकेंद्र से सम्बद्ध गांवो की आपूर्ति ठप हो गई। एसडीओ राहुल सिंह के निर्देश पर रात्रि में ही विद्युत विभाग की टीम फाल्ट ढूढ़ने में लग गई और रात्रि साढ़े 12 बजे गजोखर स्थित 220 एमबीए स्टेशन से आने पर लाइन खालिसपुर रेलवे स्टेशन से दक्षिणी छोर पर रेलवे लाइन के नीचे केबल के जलने के फाल्ट को ठीक करने में जुट गई और रात के अंधेरे में किसी तरह टार्च की रोशनी में तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद फाल्ट ठीक किया और साढ़े तीन बजे भोर में आपूर्ति बहाल हो पाई। लेकिन चार घण्टे आपूर्ति ठप होने से लोग बेहाल हो गए। करवटे बदल कर रात बिताई। आपूर्ति ठप होने से चार दर्जन गांव अंधेरे में हो गए। जिससे सुबह पेयजल आपूर्ति पर भी प्रभाव दिखा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष को मातृ शोक

पैतृक गांव अरनौला में किया गया सुपर्दे-ए खाक

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। क्षेत्र के सीमावर्ती गांव अरनौला निवासी व लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष अबुल फजल खां की माता तलमुन्निशा का लंबी बीमारी के चलते रविवार को निधन हो गया है। अंतिम सांस उन्होंने शाहगंज स्तिथ आवास पर ली। देर रात्रि उन्हें पैतृक गांव की पुश्तैनी कब्रिस्तान में सुपर्दे-ए खाक किया गया। शोक संवेदना जताने वालों का घर पर तांता लगा रहा। दिवंगत लम्बे समय से बीमार थी, उनका लखनऊ सहित अन्य महानगरों में उपचार चल रहा था। वह 83 वर्ष की आयु पूरी की। अंतिम सांस अपने बेटे पूर्व प्रधान फखरे आलम के आवास पर ली। अपने पीछे चार पुत्र और एक बेटी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गई। निधन की सूचना मिलते ही इलाके जनप्रतिनिधियों समेत भारी संख्या में लोग पहुँचकर शोक संवेदना प्रकट की। देर रात्रि अरनौला गांव की पुश्तैनी कब्रिस्तान में लोगों ने नम आंखों से सुपर्दे-ए खाक किया। नमाज-ए जनाजा हाफिज अय्यूब ने अदा की। इस अवसर पर सपा नेता जावेद सिद्दीकी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ नय्यर, प्रधान मो ताहिर, तारिक उर्फगुड्डू, पत्रकार यूसुफ खान, फैसल खान, राहिल अब्दुल्ला, ताविल अहमद बेग, मौलाना लईक अहमद,डॉ सालिम खान, मौलाना राफे समेत करीब डेढ़ हजार लोग शामिल रहे।

पुलिस ने दिखाई तत्परता गुमशुदा बालक को 5 घण्टे के अन्दर किया बरामद, परिजनों को सुपुर्द किया गया

प्रखर गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर के निर्देशन में, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी व क्षेत्राधिकारी खजनी के पर्वेक्षण में प्रभारी निरीक्षक खजनी मय फोर्स द्वारा गुमशुदा अंशु निषाद उम्र 8 वर्ष पुत्र महेंद्र निषाद निवासी भगवानपुर थाना खजनी जनपद गोरखपुर, जो अपने माता पिता के साथ मंदिर जाते समय कहीं गुम हो गया था , उसको 05 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद किया गया । तथा उसके परिजनो को सुपुर्द किया गया, जिस पर परिजनों द्वारा काफी प्रसन्नता व्यक्त की गयी तथा पुलिस टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की गई।

भारतीय मजदूर संघ का जिला बैठक संपन्न

प्रखर मिजार्पुर। जमुई चुनार थाना क्षेत्र बालू घाट भारत गैस एजेंसी के सामने सामुदायिक भवन चुनार में भारतीय मजदूर संघ ने बैठक किया गया, जिसके मुख्य अतिथि भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय महासचिव हेमलता सिंह ,विशिष्ट अतिथि भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष शांति तिवारी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने किया, बैठक को संबोधित करते हुए धीरेंद्र सिंह ने कहा कि ग्राम स्तर तक के मजदूरों की समस्याओं का निवारण करना भारतीय मजदूर संघ का अहम भूमिका रहता है,साथ ही अन्य संगठन को भी भारतीय मजदूर संघ से जुड़ना आवश्यक है ,प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महामंत्री को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं